वैशाख, शुक्ल पक्ष 3, वर्ष-10, अंक 105, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज, मंगलवार 09 जुलाई, 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कौशलं बलम्
NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE NAINI ALLAHABAD

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियो का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

डाक पंजीयन नं. AD -326/2024-2026 - website:www.aadhuniksamachar.com–E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

आधुनिक समाचार

प्रदेश आस/पास

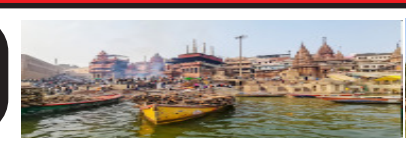

महिला शिक्षक संघ ने अटेंडेंस डिजिटलाइजेशन के विरोध में भरी हुंकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयगारजा ।उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सुलोचना मौर्य जी के

आवाहन पर एक बैठक लखनऊ में रखी गई ।जिसमें हमारी जिला प्रयागराज से जिला अध्यक्ष श्रीमती अनुरागिनी सिंह जी जिला कार्यकारिणी के साथ उपस्थित हुई। वहां पर विभिनन जनपद के अध्यक्ष और कार्यकारिणी के सदस्य इकट्ठा हुए और इस बात पर चर्चा हुई कि जो डिजिटल अटेंडेंस मांगी जा रही है , उसका हम सब विरोध करते हैं और अटेंडेंस तब तक नहीं दी जाएगी, जब तक हमारी विभिनन समस्याओं का समाधान नहीं कर दिया जाता है।भारी संख्या में महिला शिक्षिकाओं का समर्थन डिजिटल अटेंडेंस के विरोध में प्राप्त हुआ। इसके साथ ही अन्य विभिनन मुद्दों पर भी चर्चा हुई है । प्रयागराज जिलाध्यक्ष ने जनपद की विभिनन समस्याओं को लेकर प्रदेश अध्यक्ष को ज्ञापन भी सौंपा । इस बैठक में प्रतिभाग करने के लिए प्रयागराज से जिलाध्यक्ष अनुरागिनी सिंह जी के साथ ललिता तिवारी जी, प्रितपाल कौर जी प्रतिभा सिंह जी, पूनम सिंह जी और सरिता सिन्हा उपस्थित हुए।

मारुति नंदन महायज्ञ में परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रामगढ़,सोनभद्र। रामगढ़ कसारी स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में चल रहे नौ दिवसीय मारुति नंदन

महायज्ञ के दूसरे दिन रविवार को यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर हर महादेव के जयकारे से समूचा परिसर गुंजायमान रहा। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारे में श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक/ संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि भिखारी बाबा आश्रम परिसर में नौ दिवसीय मारुति नंदन महायज्ञ एवं गरीब कन्याओं का शुभ विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। दूसरे दिन रविवार को यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। यज्ञाचार्य राधेकृष्ण तिवारी, आचार्य योगेश तिवारी, रेवती रमण तिवारी समेत अन्य आचार्यों के जरिए मारुति नंदन महायज्ञ कार्यक्रम संपनन कराया जा रहा है। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया। करुणा सिंह, सीता अग्रवाल, शारदा देवी, डॉक्टर विजय, उर्मिला देवी, परमानंद मौर्य चिंता मौर्या, रिशिता केसरी, विमला देवी, रजवंती मौर्या, कालो देवी, शांति, संत सूरज महाराज, राजेंदर, मुनन बाबा, सुभराम महाराज, राजकिशोर प्रभु जी आदि लोग मौजूद रहे।

ऊंचडीह पीडित परिवार से मिलकर दिया न्याय दिलाने का भरोसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र, । ऊंचडीह वायरल विडियो मामले में रविवार को सोनभद्र विचार मंच के नेता गिरीश पाण्डेय तथा घोरावल विधानसभा के पूर्व विधायक रमेश चंद्र दूबे ने पीडनित परिवार के गांव ऊंचडीह पहुंचकर पीडनित परिवार से की मुलाकात। नेता द्वय ने पीडनित अमितेश पाण्डेय से घटना के बारे में पूरी जानकारी लेते हुए घटित अमानवीय घटना की निंदा करते हुए कहा कि पीडनित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा। नेता द्वय ने कहा कि अभियुक्तों पर जो धाराएं अभी तक लगीं हैं वो नाकाफी है। धारा बढ़ाने और आरोपियों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई यदि जिला प्रशासन नहीं करता है तो आगे बड़ा आंदोलन सड़क पर उतरकर किया जायेगा। कह कि यदि ऐसी घटना पर कड़ी कार्यवाही करते हुए कड़ा संदेश नहीं दिया गया तो ऐसी घटनाएं गांव गांव देखने को मिलेगी भविष्य में इस मौके पर पीडनित परिवार के सदस्यों के अलावा ऊंचडीह गांव प्रधान, सूर्य प्रकाश चौबे महंत ब्रम्ह बाबा आनंद शुक्ला जी ,मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष सत्यम पाण्डेय, उत्कर्ष पाण्डेय, राजा पाण्डेय, अनुपम तिवारी,सतीश पाण्डेय, चंद्र मोहन मिश्रा, मदन मोहन मिश्रा, निशांत पाण्डेय, वैभव पाण्डेय सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा व निकाली गई शोभा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र, । विगत वर्षों की भांति इस वर्ष रविवार को समय शाम 4:00 बजे से को जगननथ जी रथयात्रा के शुभ अवसर सोनभद्र नगर मैं रंगीला कावड़ संघ द्वारा संचालित जगननथ स्वामी की रथ यात्रा निकाली गई शोभा यात्रा का मुख्य मार्ग गुरुद्वारा से प्रारंभ होकर राम जानकी मंदिर होते हुए रेलवे क्रॉसिंग से धर्मशाला चौक बरौली चौराहे से शीतला मंदिर होते हुए केडिया वाले हनुमान जी बगीचे पर के पास समापन किया गया।

बिना गुरु वेद इस भवसागर से मुक्ति की युक्ति कोई दूजा नही

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। वेद, पुराण, उपनिषद और हमारे धर्म ग्रंथो मे गुरु को प्रथम पूज्य बताया गया है बिना गुरु के इस भवसागर से मुक्ति की युक्ति कोई दूजा नही बता सकता सृष्टि आरम्भ से अब तक गुरु शिष्य परम्परा जीवंत और जागृत है हमारे जीवन में गुरु उस प्रकाश पुंज भांति हैं जो भीतर के अंधकार को मिटाकर आलोकित करते हैं जिन्हें शिष्य के जीवन प्रेरणास्रोत और पथप्रदर्शक बताया गया है जो ज्ञान और संस्कार देकर योग्य व्यक्तित्व का निर्माण करके राष्ट्र और समाज का निर्माण करते हैं।

सै मो मुस्तफा, इंटरनेशनल ग्रैंड मास्टर मेडल व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। पूर्व कैबिनेट सचिव/ लायन्स क्लब जौनपुर के पूर्व अध्यक्ष सै मो मुस्तफा को लायन्स इंटरनेशनल से ग्रैंड मास्टर मेडल, पिन और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। जौनपुर आए पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सौरभकांत ने एक समारोह में जानकारी देते हुए बताया कि मुस्तफा को पचास सदस्यों को लायन के रुप में प्रायोजित करने पर, ठगोल्ड पदक, कुंजी व प्रशस्ति पत्र इंटरनेशनल प्रेसिडेंट डा पेट्टी हिल द्वारा दिया गया है। इंटरनेशनल से ये अवार्ड आने पर शनिवार को यहाँ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बलबीर सिंह बग्गा ने अपने हाथों से सै मो मुस्तफा को प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जीएटी एरिया लीडर डा क्षितिज शर्मा ने कहा कि यह बहुत ही खुशी व गर्व की बात है जो ये सम्मान आया। लायन मुस्तफा अपनी जिम्मेदारी को सदैव पूरी ईमानदारी व कर्तव्य निष्ठा के साथ करते हैं।

भाजपा सरकार बना जंगल राज सरकार: सुनील पांडेय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
घोरावल। आम आदमी पार्टी सोनभद्र द्वारा विधानसभा घोरावल ग्राम पंचायत गुरवल में जिलाध्यक्ष रमेश

गौतम के नेतृत्व में संगठनात्मक बैठक संपनन हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला प्रभारी सुनील पांडेय और विशिष्ट अतिथि के रूप में काशी प्रांत उपाध्यक्ष नीरज पांडे जी उपस्थित रहे। बैठक का संयुक्त संचालन पंचायत प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दिनेश सिंह पटेल और विमलेश सिंह पटेल ने किया। अपने संबोधन में जिला प्रभारी सुनील पांडे जी ने कहा बीते दिनों संपनन हुए लोकसभा और विधानसभा आम चुनाव में सोनभद्र के कोने-कोने से आम आदमी पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को सामर्थ्यनुसार तन मन धन लगाकर समर्थ और जनसंपर्क किया, उन्हें दिल से बधाई देता हूं, साथ में संगठन विस्तार के लिए हम लोग प्रत्येक गांव में एक ग्राम पंचायत अध्यक्ष और उसकी समिति बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं जिसको अर्थात शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। गोविंद चौबे जिला उपाध्यक्ष ने कहा सोनभद्र में अपार प्राकृतिक संसाधन है फिर यहां शिक्षा स्वास्थ्य और व्यवस्था की स्थिति दयनीय है।खराब सरकारी सिस्टम के कारण सोनभद्र आज भी पिछड़े जिलों की श्रेणी में शामिल किया जाता है, जो एक चिंता का विषय है यहां गिट्टी बालू पानी सीमेंट सब कुछ विशाल मात्रा में उत्पादित किया जाता है। फिर भी यहां 40-50 गांव ऐसे है जहां सड़क नहीं है आपातकाल में एंबुलेंस की सेवा तक नहीं पहुंच सकती। सोनभद्र में दो हजार से ज्यादा सरकारी स्कूल है जिसमें से ढाई सौ के लगभग स्कूल की हालत जर्जर है। लगभग डेढ़ सौ स्कूल भवन को निष्प्रयोग घोषित किया गया है फिर भी यहां शिक्षा दीक्षा का कार्य चल रहा है। सैकड़ो स्कूल ऐसे है जिसमें शिक्षक ही नहीं है वह शिक्षामित्र के भरोसे स्कूल चलाया चल रहा है। ऐसे तमाम मुद्दों को लेकर के आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता गांव तक जाएंगे और एक नए भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे। जिला अध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा सोनभद्र एक दलित आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है यहां अनेक नदियां है फिर भी अनेक गांवों के आदिवासी दलित पहाड़ों के चुआण का पानी पीने के लिए मजबूर है। हर घर नल जल सिर्फ कागजों में है। पांच से ज्यादा विद्युत कारखाने है फिर भी नागरिकों को विद्युत कटौती कम वोल्टेज के समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई सरकारें आई गई लेकिन सोनभद्र में रोजगार के सृजन के लिए किसी ने ठोस कदम नहीं उठाया। यहां की युवा अन्य राज्यों में मजदूरी करने के लिए विवश है, जबकि यहां पर्यटन के क्षेत्र में,कृषि और वन क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करके अनेक रोजगार सूचित किया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नई इकाई गठित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र, । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद डाला नगर इकाई

की बैठक नगर के जायका होटल के हाल में विभाग सहसंयोजक सौरभ सिंह पंकज एवं आशीष अग्रहरी की अध्यक्षता में एवं संजय गौड़ के संचालन में संपनन हुई. इस दौरान पुरानी इकाई को तहसील प्रमुख ज्योति प्रकाश पांडे जी के द्वारा भंग कर नवीन इकाई का गठन किया गया इस दौरान विभाग सहसंयोजक सौरभ सिंह पंकज ने डाला नगर में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए नवीन इकाई के कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी तथा विद्यार्थी परिषद के मुख्य उद्देश्य को कार्यकर्ताओं के बीच रखा है जो इस प्रकार है छात्रों को विद्यालय गतिविधियों का आयोजन और नेतृत्व के गुणों को विकसित करने का अवसर देना है यह उनके बीच सम्मान की भावना जिम्मेदारी के प्रतिनिधिमंडल कभी पोषण करता है विद्यार्थी परिषद स्कूल के समय के दौरान आयोजित विभिनन कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के दौरान अनुशासन बनाएं रखने में मदद करती है जिसमें तहसील प्रमुख ज्योति प्रकाश पांडे दो ,जिला संगठन मंत्री विवेक प्रांत जनजाति कार्य संयोजक मनमोहन जिला संयोजक मृगांक दुबे उपस्थित रहे।

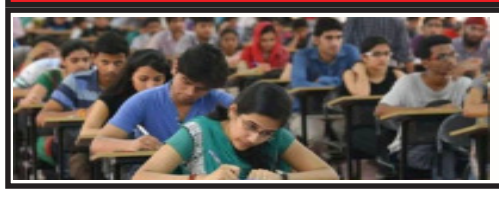

विविध

भारत

संक्षिप्त समाचार

भारत और ब्रिटेन एफटीए के अगले दौर पर इसी महीने करेंगे बातचीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए इसी महीने अगले दौर की वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच प्रस्तावित एफटीए वार्ता जनवरी 2022 में शुरू हुई

थी। दोनों देशों में चुनाव होने की वजह से 14वें राउंड की वार्ता रुक गई थी। एक अधिकारी का कहना है कि दोनों देश एक दूसरे के संपर्क में हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने पीएम नरेन्द्र मोदी से शनिवार को बात की थी। दोनों नेता पारस्परिक रूप से लाभप्रद एफटीए को पूरा करने की दिशा में काम करने पर सहमत हुए थे। भारतीय उद्योग ब्रिटिश बाजारों से आइटी और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में अपने कुशल पेशेवरों के लिए अधिक पहुंच और शून्य सीमा शुल्क पर कई वस्तुओं के लिए बाजार पहुंच की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, ब्रिटेन स्कॉच व्हिस्की, इलेक्ट्रिक वाहन, चाकलेट और कुछ अन्य वस्तुओं पर आयात शुल्क में कटौती की मांग कर रहा है। ब्रिटेन भी भारतीय बाजारों में दूरसंचार, कानूनी और वित्तीय सेवा (बैंकिंग और बीमा) जैसे क्षेत्रों में अधिक अवसरों की तलाश कर रहा है।

ईथ् ट्रेडिंग होगी मुश्किल सात प्रस्तावों पर हो रहा विचार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देश की रेगुलेटरी संस्थाओं से लेकर वित्त मंत्रालय तक फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (ईथ्) ट्रेडिंग में रिटेल इन्वेस्टर्स की बढ़ती भागीदारी से चिंतित हैं। रातोंरात अमीर बनने का ख्वाब लेकर ईथ् ट्रेडिंग करने वाले रिटेल इन्वेस्टर अपनी पूंजी भी गंवा बैठते हैं। यही है कि मार्केट रेगुलेटर ने एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई है, जो इस बात पर विचार करेगी कि खुदरा निवेशकों को डेरिवेटिव सेगमेंट यानी ईथ् ट्रेडिंग से कैसे बचाया जाए। सेबी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस सेगमेंट में ट्रेडिंग करने वाले 10 में से 9 निवेशक अपना पैसा गंवा देते हैं।हवाले से बताया कि सेबी ने जिस एक्सपर्ट ग्रुप का गठन किया है, वह शेयर बाजारों में जोखिम भरे वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) कारोबार से छोटे निवेशकों को बचाने के लिए सात प्रस्ताव पर विचार करेगी। साथ ही, इससे जुड़े रेगुलेटरी मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगा। कुल मिलाकर, यह देखा जाएगा कि किन उपायों पर अमल करके रिटेल इन्वेस्टर के लिए ईथ् ट्रेडिंग का रास्ता मुश्किल किया जा सके, ताकि वे इस सेगमेंट में पैसे गंवाने से बच जाएं।

मुसीबत मूसलाधार पांच राज्यों पर आफत बनकर टूटी बारिश, कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लगातार वर्षा से देश के कई इलाकों में हालात बिगड़ गए हैं। उत्तराखंड में भारी वर्षा के अलर्ट को देखते हुए रविवार को चारधाम यात्रा स्थगित रही। यदि मौसम सही हुआ तो सोमवार को यात्रा शुरू होगी। राजस्थान में पिछले पांच दिनों से हो रही वर्षा से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हनुमानगढ़ में तेज वर्षा के बीच एक मकान की छत गिरने से दो भाइयों की मौत हो गई। भारी बारिश के बाद देश के कई राज्यों में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। मानसून की पहली बारिश के बाद ही कुछ राज्यों में सड़कें तालाब बन गई हैं जिससे आम जन जीवन पर काफी असर पड़ रहा है। उत्तराखंड में भारी वर्षा के अलर्ट को देखते हुए रविवार को चारधाम यात्रा स्थगित रही। यदि मौसम सही हुआ तो सोमवार को यात्रा शुरू होगी। लगातार वर्षा से उत्तर प्रदेश और बिहार में नदियां उफनाने लगी हैं, जिससे बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। बिहार में वज्रपात से 10 तो उप्र में वर्षाजनित हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई। हरियाणा और पंजाब के कई जिलों में जमकर वर्षा हुई है। उत्तराखंड में एक सप्ताह से भारी वर्षा होने के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन हो रहा है, जिससे संपर्क मार्ग अवरुद्ध हो रहे हैं। गढ़वाल मंडल में पिछले छह दिन से हो रही भारी वर्षा रविवार को थम गई, जिससे थोड़ी राहत महसूस की गई। गंगा समेत अन्य नदियों का जलस्तर भी कम हुआ है, जिससे जल विद्युत परियोजनाओं में उत्पादन सुचारु रहा। मंडल में 30 के करीब

संपर्क मार्ग खोल दिए गए हैं। राज्य के मैदानी इलाकों में वर्षा का दौर जारी है। कुमाऊं मंडल में भी भारी वर्षा हो रही है। पिथौरागढ़ जिले में चीन सीमा को जोड़ने वाले दो मार्ग अब भी बंद हैं। धारचूला-तवाघाट मार्ग पर गुंजी पुल को खतरा उत्पनन हो गया है। बीआरओ पुल को बचाने के प्रयास में जुटा है। काली नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। चंपावत जिले में टनकपुर-पिथौरागढ़ हाईवे दो जगह मलबा आने से बंद है। लगातार वर्षा होने से इन्हें खोलने में भी दिक्कत आ रही है। नैनीताल झील का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बदरीनाथ राजमार्ग जोशीमठ के पास सुबह करीब चार बजे से बंद है, इस कारण बदरीनाथ और हेमकुंड साहिब की यात्रा पर आए ढाई हजार तीथ्यात्री धाम व पड़ावों पर फंसे हुए हैं। अब प्रदेश में लगभग 190 मार्ग बंद हैं। हिमाचल प्रदेश में शिमला, कांगड़ा व चंबा में नदी-नालों में बाढ़ आने की चेतावनी जारी की गई है। प्रदेश में 41 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं।बिहार में सोमवार को भी कहीं छिटपुट तो कहीं भारी वर्षा का पूर्वानुमान है। वज्रपात की चपेट में आने से 10 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। प्रदेश लगातार वर्षा से नदियां उफनाने लगी हैं। पश्चिम चंपारण जिले के बगहा के करीब 60 लोग गंडक में अचानक पानी बढ़ जाने के कारण पूरी रात दियारा में फंसे रहे।रविवार को एसडीआरएफ की टीम ने शाम तक 40 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। 20 मजदूरों को सोमवार को वापस लाया जाएगा। मोतिहारी में बागमती और लालबकेया नदी उफना रही हैं। कोसी में जलस्तर बढ़ने से कई जिलों में गांवों में पानी प्रवेश कर गया है। किशनगंज से गुजरने वाली महानंदा और कनकई नदियां खतरे के निशान के करीब से गुजर रही हैं। कटिहार में महानंदा के जलस्तर में वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, कुशीनगर और श्रावस्ती जिलों में बाढ़ के हालात बन गए हैं।सीतापुर में छत और रेलिंग गिरने की घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई तो बलरामपुर में बालक समेत दो लोगों की बाढ़ के पानी में डूबने से जान चली गई। श्रावस्ती के जमुनहा तहसील क्षेत्र में खेतों की रखवाली के दौरान बाढ़ में घिरे 11 किसानों को आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें आधा दर्जन महिलाएं हैं। नेपाल में मूसलधार वर्षा के कारण नारायणी नदी में जलस्तर खतरे के निशान से 16 सेमी ऊपर पहुंच गया। इससे कुशीनगर जिले के पांच गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया। एसडीआरएफ टीम ने रविवार को 101 लोगों को गांवों से निकाला। सोमवार को कई जिलों में भारी बारिश का पुर्वानुमान है।

कुछ लोगों ने भीड़ में जहरीले स्प्रे के डिब्बे खोले फिर मच गई भगदड़', भोले बाबा के वकील का नया दावा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के हाथरस में सूरजपाल सिंह (नारायण

साकार विश्व हरि) के सत्संग के बाद भगदड़ मचने के कारण 121 लोगों की हुई मौत के मामले में स्वयंभू बाबा के अधिवक्ता एपी सिंह ने रविवार को साजिश होने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से दावा किया कि सत्संग के दौरान कुछ लोगों ने भीड़ में जहरीले स्प्रे से भरे डिब्बे खोले, जिससे भगदड़ मची। हाथरस भगदड़ मामले में स्वयंभू बाबा भोले बाबा के वकील एपी सिंह ने चौंकाने वाला दावा किया है। सिंह ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रत्यक्षदर्शियों ने उन्हें बताया कि दो जुलाई को हाथरस में हुए सत्संग के दौरान मुंह ढंके हुए 15-16 लोग मौजूद थे। भीड़ में कुछ लोगों ने जहरीले पदार्थ से भरे डिब्बे खोले थे। इस वजह से ही सत्संग में भगदड़ मच गई। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एपी सिंह ने भगदड़ के पीछे साजिश का आरोप लगाया। उनका कहना था कि भोले बाबा (सूरजपाल) की बढ़ती लोकप्रियता से ईर्ष्या करने वालों ने इसे अंजाम दिया। एपी सिंह ने दावा किया, ठगवाहों ने मुझसे संपर्क किया और कहा कि 15-16 लोग जहरीले स्प्रे के डिब्बे लेकर आए थे, जिन्हें उन्होंने भीड़ में खोला। मैंने मारे गए लोगों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट देखी है और उससे पता चला है कि वे चोटों के कारण नहीं बल्कि दम घुटने से मरे थे। भगदड़ के पीछे साजिश का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर लोगों को भागने में मदद करने के लिए वाहन खड़े थे। हमारे पास सुबूत है और हम उन्हें पेश करेंगे। एपी सिंह ने दावा किया कि उनसे संपर्क करने वाले गवाहों ने नाम न बताने का अनुरोध किया है। हम उनके लिए सुरक्षा की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि बाबा को कानून पर पूरा भरोसा है। हम लोग कानून में विश्वास रखते हैं। सेवादार से लेकर मरने वाले सब बाबा के है। लेकिन मारने वाले कौन है, इसका पता करना है। सनातन को मानने वाले लोग अपने धर्म गुरुओं के पास ही जाते है। हमें सरकार, कानून, मीडिया पर पूरा भरोसा है। हम मीडिया से भी सहयोग करने की अपील करते है।

इंसाफ नहीं मिला तो डीएमके सरकार पर भड़कीं बीएसपी सुप्रीमो मायावती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चेन्नई। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती दिवंगत तमिलनाडु के बीएसपी अध्यक्ष के.आर्मस्ट्रांग को श्रद्धांजलि देने चेनन्ई पहुंचीं। बसपा प्रमुख के साथ पार्टी के राष्ट्रीय

समन्वयक आकाश आनंद ने भी आर्मस्ट्रांग को श्रद्धांजलि दी। पूर्व सीएम मायावती ने आर्मस्ट्रांग की हत्या मामले में सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने कहा मैं राज्य सरकार और यहां के मुख्यमंत्री से यह कहना चाहूंगी कि उन्हें राज्य में कानून व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए और कमजोर वर्ग की सुरक्षा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार इस मामले में गंभीर होती तो अबतक मुख्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाता। पूर्व सीएम मायावती ने आर्मस्ट्रांग की हत्या मामले में सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने कहा, ठमैं राज्य सरकार और यहां के मुख्यमंत्री (एमके स्टालिन) से यह कहना चाहूंगी कि उन्हें राज्य में कानून व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए और कमजोर वर्ग की सुरक्षा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार गंभीर होती तो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाता लेकिन अभी तक मुख्य अपराधियों को नहीं पकड़ा गया है इसलिए हम राज्य सरकार से यह चाहेंगे कि इस मामले को सीबीआई को सौंप दिया जाए। अगर राज्य सरकार यह मामला सीबीआई को नहीं सौपती है तो समझो इस घटना में कहीं न कहीं सरकार का भी हाथ है। बता दें कि तमिलनाडु में शुक्रवार को बहुजन समाज पार्टी के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या कर दी गई थी। यह घटना चेनन्ई के पेरांबूर में आर्मस्ट्रांग के घर के पास हुई, जिसमें 6 लोगों की अज्ञात भीड़ ने उनकी हत्या कर दी। मायावती ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से कहा कि यह सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष की हत्या का मामला नहीं है, पूरे तमिलनाडु में दलित और पिछड़े वर्ग के लोग इस घटना से डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि दलित समाज सोच रहा है कि जब यह घटना प्रदेश अध्यक्ष के साथ हो सकती है तो हमारे साथ ही हो सकता है।

सैनिक मरते नहीं दिलों में रहते हैं जीवित', बलिदानी मेजर की मां फातिमा बोहरा ने साझा कीं बेटे की यादें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शौर्य चक्र से सम्मानित बलिदानी मेजर मुस्तफा बोहरा की मां फातिमा बोहरा ने कहा कि सैनिक मरते नहीं हैं, बल्कि लोगों के दिलों

में 'एक और जिंदगी' जीते हैं। शौर्य चक्र, अशोक चक्र और कीर्ति चक्र के बाद भारत का तीसरा सबसे बड़ा शांतिकालीन वीरता पुरस्कार है। 'सैनिक मरते नहीं हैं बल्कि वो लोगों के दिलों में एक और जीवन जीते हैं' यह बात मेजर मुस्तफा बोहरा की मां फातिमा बोहरा ने कही है जिनके बेटे ने देश के लिए सवीच्च बलिदान दिया अद्भुत साहस के लिए उन्हें मरणोपरांत शौर्य चक्र मिला है। राष्ट्रपति भवन में रविवार को राष्ट्रपति मुर्मु ने मरणोपरांत मेजर मुस्तफा को शौर्य चक्र से सम्मानित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को सेना और अर्धसैनिक बलों के कमिन्यों को अदम्य साहस और असाधारण वीरता के लिए 10 कीर्ति चक्र प्रदान किए, इनमें सात मरणोपरांत है। सशस्त्र बलों की सवीच्च कमांडर ने 26 शौर्य चक्र भी प्रदान किए। शौर्य चक्र विजेताओं में भी सात मरणोपरांत है। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति ने 252 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन के मेजर मुस्तफा बोहरा को मरणोपरांत शौर्य चक्र प्रदान किया। अक्टूबर 2022 में, उन्होंने राष्ट्र के लिए सवीच्च बलिदान दिया और हेलीकॉप्टर में आग लगने के बाद उसे आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले जाकर असाधारण साहस और कौशल का प्रदर्शन किया। रविवार को रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा एक्स पर साझा किए गए वीडियो में, बोहरा समुदाय से ताल्लुक रखने वाली फातिमा बोहरा ने अपने बेटे और उनके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के दिनों की यादें साझा कीं।

बांग्लादेशी शरणाथिच्यों को वापस नहीं भेज सकते', मिजोरम के मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी से मिलकर बताई ये वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

आइजोल। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने शनिवार को केंद्र से पड़ोसी बांग्लादेश से आने वाले

शरणाथिच्यों को आश्रय देने के मामले में मिजोरम की स्थिति को समझने का आग्रह किया। राज्य के गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 2022 से बांग्लादेश से करीब 2,000 'जो' जातीय लोगों ने मिजोरम में शरण ली है। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने प्रधानमंत्री मोदी से दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जो जातीय लोगों को बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स (सीएचटी) वापस नहीं भेज सकती है। उन्होंने पीएम से शरणाथिच्यों को आश्रय देने के मामले में मिजोरम की स्थिति को समझने का आग्रह किया। दोनों नेताओं ने बैठक में कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक के दौरान लालदुहोमा ने उन्हें बताया कि राज्य सरकार 'जो' जातीय लोगों को बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स (सीएचटी) वापस नहीं भेज सकती है। लालदुहोमा ने प्रधानमंत्री को बताया कि मिजो जनजाति में से एक 'बावम' जनजाति के कई लोग बांग्लादेश से 2022 से मिजोरम में शरण ले रहे हैं और उनमें से कई अब भी राज्य में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं। इस दौरान दोनों नेताओं ने अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की, जिसमें असम राइफल्स के बेस को आइजोल से राज्य की राजधानी के पूर्वी बाहरी इलाके में जोखावसांग में स्थानांतरित करना और मिजोरम सरकार के प्रमुख कार्यक्रम, हैंड-होल्डिंग नीति का कार्यान्वयन शामिल है।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की बढ़ीं मुश्किलें, दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया केस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। दरअसल, कार्रवाई दिल्ली पुलिस ने की है। हालांकि बाद में विवाद बढ़ने पर महुआ मोइत्रा ने अपने एक्स पोस्ट को डिलीट कर दिया था। पूरा मामला महिला आयोग अध्यक्ष रेखा शर्मा क्यों नहीं पकड़ा? इसके बाद महुआ ने राजदान के पोस्ट को साझा किया और लिखा, 'वह अपने बॉस का पजामा थामने में बहुत व्यस्त हैं।' राष्ट्रीय

महुआ मोइत्रा पर इंटरनेट मीडिया पोस्ट के माध्यम से राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष के खिलाफ अपमानजनक इंटरनेट मीडिया पोस्ट पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। यह के हाथरस दौरे से जुड़ा है। हाल ही में महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा भगदड़ पीड़ितों से मुलाकात करने उत्तर प्रदेश के हाथरस पहुंची थीं। उनके पीछे एक शख्स छाता लेकर खड़ा था। पत्रकार निधि राजदान ने एक्स पर सवाल पूछा था कि रेखा शर्मा ने छाता खुद महिला आयोग ने महुआ की टिप्पणी का संज्ञान लिया। आयोग ने टिप्पणी को अभद्र और अपमानजनक बताया। आयोग ने कहा कि यह टिप्पणी महिलाओं के सम्मान के अधिकार का उल्लंघन है। महुआ के खिलाफ आयोग ने केस दर्ज करने और सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

ऊंची उड़ान चाहती है ड्रोन इंडस्ट्री, क्या बजट में मिलेगा प्रोत्साहन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वर्ष 2030 तक देश को वैश्विक ड्रोन उद्योग के केंद्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। साथ

ही कहा है कि तब तक देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ड्रोन उद्योग की 1.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हो जाएगी। ड्रोन उद्योग भी मानता है कि यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सरकार को अगले आम बजट में कुछ प्रोत्साहन भी देने होंगे फिक्की और ईएंडवाई की संयुक्त रिपोर्ट में ड्रोन उद्योग का आकार वर्ष 2025 में 81600 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया है और वर्ष 2030 तक इसके 2.50 लाख करोड़ रुपये हो जाने की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विज्ञान प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों के अलावा कृषि बीमा हेल्थ और खुदरा कारोबार में भी इसका बड़े पैमाने पर उपयोग हो सकता है। वैसे भारत में ड्रोन का बाजार काफी छोटा है। और खुदरा कारोबार में भी इसका बड़े पैमाने पर उपयोग हो सकता है। खास तौर पर आत्मनिर्भर बनने के लिए ड्रोन में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों का घरेलू स्तर पर निर्माण करने को प्रोत्साहन देना चाहिए। इससे कृषि और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले ड्रोन की कीमतें भी घटाने में मदद मिलेगी और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। कुछ विशेषज्ञों ने कहा है कि वर्ष 2021 में ड्रोन उद्योग में उदारीकरण की नीति लागू की गई थी, अब इसके दूसरे चरण की शुरुआत होनी चाहिए। फिक्की और ईएंडवाई की संयुक्त रिपोर्ट में ड्रोन उद्योग का आकार वर्ष 2025 में 81,600 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया है और वर्ष 2030 तक इसके 2.50 लाख करोड़ रुपये हो जाने की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों के अलावा कृषि, बीमा, हेल्थ और खुदरा कारोबार में भी इसका बड़े पैमाने पर उपयोग हो सकता है। वैसे भारत में ड्रोन का बाजार काफी छोटा है।

राहुल गांधी पर पीयूष गोयल का निशाना कहा- बालक बुद्धि वाले विपक्ष के नेता को समझ नहीं आ रहा उन्हें जनता ने नकार दिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देशवासियों

ने नरेन्द्र मोदी को अपना समर्थन दिया है। लगातार तीसरी बार की जीत उनके प्रति जनता के विश्वास को दर्शाता है, परंतु बालक बुद्धि वाले विपक्ष के नेता को यह समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें देश की जनता ने नकार दिया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बिना नाम लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी को बालक बुद्धि बताया और कहा कि विपक्ष के नेता को समझ नहीं आ रहा है कि देश की जनता ने उन्हें नकार दिया है। उधर सुधांशु त्रिवेदी ने भी विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जीत हमारी हुई है लेकिन खुशी विपक्ष मना रहा है। बालक बुद्धि इस हार को पचा नहीं पा रही है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर लड़ने के बाद भी कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिल सकी। पीयूष गोयल रविवार को दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। गोयल ने कहा कि दिल्ली के विकास के लिए केंद्र सरकार ने कई काम किए हैं, जबकि केजरीवाल सरकार ने यहां के लोगों के जीवन को बेहतर करने के लिए कोई काम नहीं किया। झुग्गीवासियों के पुनर्वास के लिए दिल्ली सरकार के पास कोई योजना नहीं है। इस सरकार ने 60 करोड़ की स्टार्टअप योजना शुरू की और उसके प्रचार पर 100 करोड़ खर्च कर दिए। दिल्ली सरकार का 80 हजार करोड़ का बजट है, इसे ईमानदारी से खर्च करने पर दिल्ली की सूरत बदल सकती है। मोदी सरकार दिल्ली के विकास व उज्ज्वल विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए विधानसभा चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं को जीत प्राप्त करनी होगी। डबल इंजन की सरकार से दिल्ली का विकास संभव हो सकेगा। इसके लिए कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर मोदी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही केजरीवाल सरकार की नाकामियों व भ्रष्टाचार को बताना होगा।

मिर्ज़ापुर

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में अपनी मांगों को लेकर सोमवार को

आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए बुलंद की आवाज डीएम नामित ज्ञापन सौपा। जिलाध्यक्ष विकास गोस्वामी ने बताया कि कि कोविड-19 आउसोर्सिंग अन्तर्गत कोविड महामारी में अपनी जान जोखिम में डालकर मरीजों की सेवा की जिस दौरान कई कोविड कर्मचारी कोरोना संक्रमित भी हुए। कोविड जैसे विकट परिस्थिति में हम सभी ने सरकार का साथ दिया। जिसके बदले में हम सभी कर्मचारियों को 1-1 माह का रिनिवल कर हतोत्साहित किया जाता है जिले के अधिकारियों द्वारा हम सभी से स्वास्थ्य विभाग का महत्वपूर्ण कार्य लिये जाने के बावजूद सैलरी समय पर न देने कार्य निकालने, महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश न देने जैसे धमकियों से परेशान किया जाता है। साथ ही मे0रामफकीर सेवा समिति (आउसोर्स कम्पनी) रामनगर, वाराणसी के संचालक सुशिल सिंह द्वारा कर्मचारियों के साथ फोन पर तानाशाही रवैया दिखाया जाता है कर्मचारीयों का कोई भी सहयोग नहीं किया जाता है। इसी सब बीच हम सभी के अत्यन्त प्रिय वार्ड ब्वाय श्याम सुन्दर को ब्रेन ट्यूमर होने के कारण रा0म0 लोहिया हास्पिटल, लखनऊ में ईलाज के दौरान कोई सहयोग न मिलने के कारण मृत्यु हो गयी। कई कर्मचारियों को परेशान कर विभिनन कारण दिखाकर कार्य से निकाल दिया गया। कोचिड काल से आज तक हम सभी स्वास्थ्य विभाग के महत्वपूर्ण कार्यों को करते आ रहे हैं। फिर भी हम सभी को 1-1 माह का रिनिवल दिया जाता है। जिससे हम सभी में अपने कार्यों को लेकर मन में भय बना रहता है। कर्मचारियों ने कहा कि हम सभी कोविड कर्मचारियों के परिस्थितियों को दृष्टिगत सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से निवेदन करते हुए हम सभी को आउटसीर्स से हटाकर एन0एच0एम0 अन्तर्गत समायोजित कराने की महान कृपा करें।इस दौरान रिम्पा, मनीषा रानी, शीला पाल, गायत्री यादव, सीता, क्षमा त्रिपाठी ,पूजा गुप्ता ,सुनीता, कांतिपाल, अनुराधा यादव ,संदीप शुक्ला, राहुल विश्वकर्मा, रोहित कुमार, विवेकानंद, ओमप्रकाश, संदीप कुमार, चंदन कुमार, गोपाल, राजेश प्रसाद ,कृष्ण आदि लोग रहे शामिल।

सोनभद्र

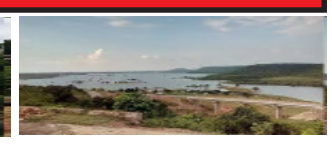

ऑनलाइन उपस्थिति का शिक्षक करेंगे विरोध:योगेश कुमार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रविवार को लोक निर्माण विभाग के डाक बगलें में ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में जनपद के

सभी शैक्षिक संगठनों की एक सामूहिक बैठक आयोजित हुई जिसमें सभी शैक्षिक संगठनों ने सामूहिक सहमति से एक सयुंक्त शैक्षिक संगठन संघर्ष समिति का गठन किया जिसमें यह निणय्य लिया गया कि जनपद का कोई भी शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति नहीं देगा और समस्त शैक्षिक संगठन इसका पूर्ण विरोध करता है ऑनलाइन के विरोध में जो भी धरना होगा उसमें सभी शैक्षिक संगठन व जनपद के समस्त शिक्षक व शिक्षिकाएं प्रतिभाग करेंगे । कल दिनांक 08/07/2024 से जनपद के समस्त शिक्षक विद्यालय पर काली पट्टी बांध कर ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध करेंगे एवं 11/07/24 3:30 पर कलेक्ट्रेट में ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में धरना करेंगे जिसमें जिले के समस्त शिक्षक व शिक्षिकाएं जोर शोर से प्रतिभाग करें। इसी क्रम मे 15/07/24 को कलेक्ट्रेट पर धरना होगा। इस अवसर पर उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष रविभूषण सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष योगेश कुमार पाण्डेय, प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्षा संतोष कुमारी, यूटा अध्यक्ष शिवम अग्रवाल, अटेवा अध्यक्ष राजकुमार मौर्य,प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ अध्यक्ष अरविन्द सिंह, आदर्श वेलफेयर शिक्षामित्र संघ अध्यक्ष वकील अहमद आदि उपस्थिति रहे।

स्वस्थ जीवन शैली के लिए होम्योपैथी विधा एक विश्वसनीय विकल्प है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रविवार को आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन सोनभद्र के तत्वाधान में प्रादेशिक होमियोपैथिक वैज्ञानिक

संगोष्ठी का भव्य आयोजन जिला मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज स्थित द लोटस बैक्वेट सभागार में तीन सत्रों में किया गया। प्रथम सत्र में ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कुसुमाकर श्रीवास्तव, सचिव डॉ. सीबीडी पांडेय द्वारा संयुक्त रूप से उपस्थित मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, देशभर से पधारे डॉक्टरो, पत्रकारों को माल्यार्पण, स्मृति चिन्ह, उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री संजीव सिंह गोड़ ने कहा कि-ठअसाध्य रोगों का इलाज होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में है, यह पद्धति वर्तमान समय में अन्य चिकित्सा पद्धतियों से सस्ती और लाभकारी है, इस पद्धति से इलाज कराने से जटिल रोगों का स्थाई समाधान संभव है, हमारी सरकार इस चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा दे रही है प्रदेश के प्रत्येक जनपदों में होम्योपैथिक चिकित्सालय कार्य कर रहे हैं। स्वस्थ जीवन शैली के लिए होम्योपैथी विधा एक विश्वसनीय विकल्प है?। विशिष्ट अतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे ने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि-होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के जनक हेनीमैन साहब संपूर्ण विश्व को ऐसी चिकित्सा पद्धति प्रदान किया है, इसके प्रयोग से मानव शरीर पर कोई कुप्रभाव नहीं पड़ता, हमारे देश में अनेक चिकित्सा पद्धतियां विद्यमान है उसमें सबसे सस्ती अच्छी कारगर चिकित्सा होम्योपैथी की मीठी गोलियों से संभव है। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा कहां कि-ठ आज के प्रदूषण के दौर में जब संपूर्ण विश्व वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, प्रकाश प्रदूषण की समस्याओं से जूझ रहा है। खाद युक्त भोजन, जल मानव ग्रहण कर रहा है। ऐसी स्थिति में प्रदूषण से होने वाले रोगों का इलाज होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति में है, होम्योपैथ मीठी- मीठी गोलियो से छोटे-छोटे नवजात शिशुओ के स्वास्थ्य का संरक्षण करती है। आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर आर्गेनाईजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएन सिंह रघुवंशी ने आयोजित संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश सरकार से यह मांग किया ।

रेलवे क्रॉसिंग के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव क्षेत्र में हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। स्थानीय चोपन थाना के डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के बिल्ली रेलवे क्रॉसिंग के पास एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में

मचा हड़कंप आज सोमवार को सुबह लगभग आठ बजे चोपन थाना क्षेत्र अंतर्गत बिल्ली रेलवे क्रासिंग से लगभग 100 मीटर पहले विकास नगर कालोनी में स्थित बंद पड़ी मकान के सीढ़ी के पास युवक पहचान के रूप में सूरज पुत्र बच्चू राम निवासी बिल्ली ओबरा बताया जा रहा है जहा यह घटना क्षेत्र में आग की तरह फैला गया और धिरे धिरे भारी भीड़ का जमावड़ा लग गया जिसके उपरांत पीड़ित परिजनों के साथ स्थानीय ग्रामीणों ने डाला से ओबरा संपर्क मार्ग को हत्या की आशंका जताते हुए घंटों सड़क जाम कर दिया वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजवाते हुए राबर्ट्सगंज सदर सीओ चारु द्विवेदी, चोपन थानाध्यक्ष विजय चौरसिया ओबरा थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिह डाला चौकी इंचार्ज शिव कुमार सिंह ने द्वारा समझा बुझाकर मामला शांत करवाते हुए जाम खोलवाया गया जो कि घंटों सड़क जाम रहा। वहीं जाम हटने के बाद मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम जांच में जुटी रही। मृतक के पिता बच्चू राम ने बताया कि हमारा लड़का सुबह छः बजे बिना कुछ बताए घर निकला था और यह घटना घट गया जिसकी जानकारी हमको अभी मिला है इस संबंध में सदर सीटी सीओ चारु द्विवेदी ने बताया कि उक्त घटना की जांच टीम कर रही है मृतक का शव बंद पड़ी मकान के सीढ़ी के पास से मिली है जिसको पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया जिसका रिपोर्ट आने के बाद कारण स्पष्ट हो सकता है।

हुसैनी कमेटी के तकियादार बछौधा, नई बजार, का बनाएं गए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। ग्राम सभा बछौधा,नई बजार,सोनभद्र के कई वर्ष से मोहर्रम का जुलूस निकाला जाता है धूमधाम से मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा ताजिया बनाकर चौक से उठाकर कर्बला को लेकर जाया जाता है और वहां पर फतिया पढ़कर अमन शांति का दुआ मांगा जाता है पिछले कई वर्ष से ग्राम बछौधा, पोस्ट- नई बाजार, जिला- सोनभद्र में तकियादार तेजबाली शाह ग्राम कुसम्हा, पोस्ट- नई बाजार, जिला सोनभद्र के निवासी हैं अपने कार्यकाल में बहुत अच्छे से मोहर्रम या चेहल्लुम को तकियादार बनकर निभाएं अब उनका स्वास्थ्य सही न रहने के करण तकिया दर से इस्तीफा दे दिए उनके द्वारा बोला गया कि हुसैनी कमेटी से की अपना किसी और को तकियादार बना दिया जाए मुझे किसी प्रकार की आपत्ति नहीं है ग्राम सभा नई बाजार हुसैनी कमेटी के लोगों ने मीटिंग की और मीटिंग में यह निणय्य निकला की हिफाजत अली ग्राम- बछौधा,पोस्ट- नई बाजार, सोनभद्रा को तकियादार बनाकर घोषित किया गया इस वर्ष 2024-25 को मोहर्रम दिनांक 17.7.2024 को मनाया जाएगा और हिफाजत अली तकियादार बनाकर लोगों को विश्वास दिलाई की मैं अपने तकियादार का कार्य अच्छे से और जिम्मेदारी से निभाएंगे हुसैनी कमेटी में सामिल रहे इस मौके पर नईम अहमद, शफायत अली, जाफिर अली, कौशर अली, अजिम अहमद, मोहम्मद शाहिद, रफिक अहमद, मोहम्मद सुल्तान, अकबर अली, मोहम्मद मकसुद, रुस्तम अली, आशिफ अहमद, अलीम अहमद, अमीनुद्दीन, सलिम अहमद, ईदु अहमद इत्यादि लोग मौजूद रहे ।

बहुजन समाज पार्टी की बैठक हुई संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शनिवार को बहुजन समाज पार्टी की तत्वावधान में जिला स्तरीय बैठक में बहन हमारी मायावती द्वारा किए गए ट्वीट के बारे में जानकारी बी0 सागर जिलाध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी ने कहा कि देश में गरीबों दलितों , पीड़ितों आदि की अपनी गरीबी उन सभी दुखों को दूर करने के लिए हाथरस के भोले बाबा जैसे अनेकों और बाबाओ के विश्वास को पाखंडवाद के बहकावे में आकर अपने दुख को पीड़ा को और नहीं बढ़ना चाहिए यह मेरी सलाह है। डॉ रामावतार चौहान ने कहा की बहन कुमारी मायावती द्वारा किए गए ट्वीट के बारे में जानकारी देते हुए कहा की बल्कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के बताए हुए रास्ते पर चलकर इन्हें भला खुद अपने हाथों में अपनी तकदीर खुद बदलनी होगी अर्थात इन्हें पार्टी बीएसपी से जुड़ना होगा।

योगी के बुलडोजर राज के खिलाफ एकजुट हुए राजनीतिक दल और संगठन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। अकबरनगर के बाद पंतनगर, अबरार नगर, खुर्रम नगर, रहीम नगर और स्कॉपिन्यो कॉलोनी समेत लखनऊ की विभिनन

बस्तियों को खाली करने और बुलडोजर से तहस-नस करने की कार्रवाई और प्रदेश को तबाह करने वाले नजूल संपत्ति अधिग्रहण अध्यादेश के खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिनन राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और नागरिक समाज की बैठक सीपीएम राज्य कार्यालय पर हुई। बैठक में लखनऊ बचाओ संघर्ष समिति का गठन किया गया और पूरे लखनऊ में बेदखली के खिलाफ शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक संवाद अभियान चलने का निणय्य हुआ। इस अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों से मिलने, न्यायालय में हस्तक्षेप करने और जनता से संवाद करने का निणय्य हुआ है। इसका पहला सम्मेलन 10 जुलाई को खुर्रम नगर में आयोजित किया जाएगा। बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव सीपीएम राज्य सचिव मंडल सदस्य मधु गर्ग ने रखा और अध्यक्षता सपा से मेयर की प्रत्याशी रही वंदना मिश्रा व संचालन ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव संगठन दिनकर कपूर ने किया। बैठक में पारित किए गए राजनीतिक प्रस्ताव में कहा गया कि शंकराचार्यी और धर्म गुरूओं के विरोध के बावजूद धार्मिक और आस्था की नगरी वाराणसी और अयोध्या को पर्यटन नगरी में तब्दील करने के लिए बड़े पैमाने पर की गई तहस-नहस की कार्रवाई के बाद अब भाजपा-आरएसएस की सरकार अदब के नगर लखनऊ को बर्बाद करने पर तुली है। गुजराती रियल स्टेट कारोबारी के लिए पूरे लखनऊ में बेदखली अभियान चल रहा है। कालोनियों और बस्तियों को खाली कराया जा रहा है और आम आदमी की जीवन और आजीविका को गहरे संकट में डाल दिया गया है। चुनावों में बुरी तरह हुई हार से सबक सीखने की जगह अभी भी योगी सरकार बुलडोजर राज चलाने में पर आमादा है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के अंतर्गत लखनऊ के ग्रामीण क्षेत्र को भी लेने का निणय्य हुआ है। अब गांव में भी मकान बनवाने पर एलडीए से नक्शा पास करना होगा जिसकी मनमानी कीमत एलडीए ने तय कर रखी है। इससे महंगाई की मार से पीड़ित जनता के ऊपर और बड़ा बोझ आएगा। प्रस्ताव में कहा गया कि योगी सरकार ने मार्च में नजूल सम्पत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबंध और उपयोग) अध्यादेश 2024 लाकर पूरे प्रदेश में इन जमीनों पर बसे हुए लोगों की बेदखली का रास्ता खोल दिया है। अंग्रेजों के जाने के बाद जो भूमि बिना किसी मालिकाना अधिकार के पड़ी रही वह नजूल भूमि थी और इस पर बहुत तेरे लोगों ने अपना मकान, दुकान आदि का निर्माण कर जीवन निर्वाह कर रहे हैं। इस अध्यादेश से पूरे लोगों की आजीविका ही खतरे में पड़ जाएगी।

वित्तीय वर्ष मे 20 नाबालिग बालिकाओ को वधू बनने से बचाया गया- शेषमणि दुबे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। चाईल्ड हेल्पलाइन से सूचना प्राप्त हुआ की थाना रावर्टसगंज अन्तर्गत पंचमूखी महादेव मन्दिर पर एक नाबालिग बालिका की शादी हो रही है जिसपर तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला बाल संरक्षण अधिकारी पुनीत टंडन द्वारा जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ आर डब्लूयू शेषमणि दुबे, चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से केस वर्कर सीमा शर्मा,अनिल यादव, सुपरवाईजर सुधा गिरी की संयुक्त टीम गठित करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया जिसके उपरान्त संयुक्त टीम द्वारा चौकी चूर्क से समन्वय स्थापित करते हुए मौकेपर पहुंच कर 16वर्ष की नाबालिग बालिका को अपने अभिरक्षा मे लेते हुए बाल कल्याण समिति सोनभद्र के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया।केस वर्कर सीमा शर्मा द्वारा बताया गया की बालिका की काउंसलिंग के उपरान्त नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी। ओ आर डब्लूयू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया की जिला बाल संरक्षण इकाई, चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट एवं पुलिस विभाग के संयुक्त टीम द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 मे अभीतक कुल बीस नाबालिग बालिकाओ को वधू बनने से बचाया गया है जिसमे ब्लाक-रावर्टसगंज मे 04,घोरावल मे 03, दुध्दी मे 03, चतरा मे 03,नगवा 02,म्योरपुर 02,बभनी 01,कोन 01, चोपन 01, बाल विवाह रोका गया है। साथ ही यही भी बताया गया की वित्तीय वर्ष 2021-22 मे 07, 2022-23 मे 15 2023-24 मे 38, मे बाल विवाह रोके गये है । बाल विवाह रोकथाम हेतु जनपद स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

विद्यालय पर जमीन पर बैठने को मजबूर बच्चें,सुविधाओं का आभाव, शिक्षा विभाग संज्ञान ले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ओबरा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बेहतर शिक्षा दिलाने की बात चाहे जितना कर ले लेकिन वास्तविकता में धरातल पर वैसा दिख नहीं रहा है। जनपद सोनभद्र में ज्यादातर विद्यालयों में छात्रों को आज भी पाते हैं। कई अभिभावक सुविधाओं की कमी के कारण अपने बच्चों का दाखिला सरकारी विद्यालय में इसी लिए नहीं कराते । ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या इसी व्यवस्था से सरकारी विद्यालयों की शिक्षा में सुधर हो पायेगा। विद्यालय में

मूलभूत सुविधा नहीं मिल पा रही है। जिसका प्रतिकूल असर मिशन गुणवत्ता शिक्षा पर पड़ रहा है। ओबरा स्थित प्राथमिक विद्यालय बिल्ली द्वितीय में ऐसा ही नजारा देखने को मिला जहां बच्चें जमीन पर बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। ठण्ड गर्मी बरसात कोई भी मौसम हो छोटे-छोटे बच्चे निचे जमीन पर दरी बिछा कर बैठकर पढ़ाई करते हैं। कई छात्रों ने बताया कि विद्यालय में डेस्क ब्रेच नहीं होने की वजह से उन्हें जमीन पर दरी बिछा कर ही बैठा कर पढा.या जाता हैं।बच्चें जमीन पर बैठने से ठंड के मौसम में वे ठीक ढ़ग से पढ़ नही तमाम समस्या देखने को मिला है,एक शौचालय के फर्श पर टाईल्स नहीं हैं,विद्यालय में चोरी व अराजकतत्व के रोकथाम के लिए विद्यालय की बाउंड्री ऊंचा नहीं है,विद्यालय में साफ सफाई के लिए सफाई कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाया जाये जो प्रतिदिन समय से सफाई कर दिया करें,विद्यालय में बच्चों को पिने हेतु आरओ स्वच्छ जल की व्यवस्था नहीं है,शौचालय की छत नहीं है,विद्यालय में स्मार्ट टीवी लगवाया जाये,बच्चों को बैठने हेतु सभी कक्षा में काफ़ी समस्या होता है जिसके लिए डेस्क व ब्रेच की व्यवस्था नहीं है।

विभिन्न संगठन के लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में सोमवार को विभिनन संगठन के पदाधिकारी द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी नामित पत्र देकर किया बुलंद आवाज । जिला प्रभारी आ0 सं0 पा - संदीप कुमार भीम आर्मी ने बताया कि बीते दिनों ऊँचडीह सलैया वायरल मारपीट का वीडियो एवं दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही तथा सत्ता पक्ष के वर्तमान सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा जिले में 144 सी0आर0पी0सी0 लागू होने के बावजूद 200 से 300 की संख्या में अपने समाज को लेकर सड़क जाम करने तथा बिना अनुमति धरना-प्रदर्शन किया गया वही रविकान्त जिला अध्यक्ष, आजाद समाज पार्टी सोनभद्र एवं भीम आर्मी संगठन सोनभद्र। हमारी पार्टी एवं भीम आर्मी संगठन किसी भी तरह के गैर कानूनी घटना का समर्थन नहीं करते है। ऊँचडीह (सलैया) सोनभद्र की घटना का हमारी पार्टी एवं संगठन भीम आर्मी निन्दा करती है। उक्त घटना में जो भी कानूनी कार्यवाही पुलिस प्रशासन द्वारा दोषियों के विरूद्ध किया गया, हमारी पार्टी एवं संगठन सराहना करती है। पुलिस प्रशासन द्वारा उक्त घटना में सराहनीय कार्य किया गया तथा दोषियों के विरूद्ध तुरन्त कानूनी कार्यवाही कर उन्हे जेल भेज दिया गया। इस तरह का घटना कारित करना किसी भी समाज के व्यक्ति द्वारा गैर कानूनी कार्य है तथा दण्ड के भागी है जो अपराध कारित करता है उन्हें दण्ड अवश्य कानूनी रूप से दिया जाना चाहिए। साथ ही हमारी पार्टी एवं संगठन, महोदय का ध्यान उक्त घटना को लेकर आकर्षित करना चाहता है कि जिन दलित परिवार को घटना में अभियुक्त बनाया गया है तथा उन्हें जेल भेजा गया है। उनके

परिवार के बच्चों के साथ पूर्व में ब्राहमण समाज का व्यक्ति अमितेष पाण्डेय पुत्र सुनिल पाण्डेय द्वारा दुर्व्यवहार किया गया था तथा उसे गाली-गलौज जातिसूचक दिया था तथ अमितेष पाण्डेय के पिता सुनिल व उनके पड़ोसी द्वारा भी गाली-गलौज दिया गया था जिसकी सूचना दलित परिवार द्वारा दिनांक 02. 07.2024 को थाना पुलिस में दिया गया है, परन्तु उनके प्रार्थना पत्र पर कोई कार्यवाही नहीं किया गया तथा उसके प्रतिउत्तर में बच्चों द्वारा अमितेष के साथ हाथापाई हुआ था जिसकी वीडियो रिकार्डिंग किसी अज्ञात बच्चे के द्वारा वायरल कर दिया गया जिसको लेकर उक्त घटना हुई परन्तु उक्त घटना के बाबत् वीडियो वायरलदिह्रोचे पर केवल दलित..... परिवर के ऊपर ही कानूनी कार्यवाही किया गया। उनके प्रार्थना पत्र पर आज तक कोई कार्यवाही नही किया गया। उक्त घटना को लेकर जिले में धारा-144 सी0आर0पी0सी0 लागू होने के बाद भी तथा पुलिस द्वारा कानूनी कार्यवाही करने के बाद भी सत्ता पक्ष के वर्तमान विधायक द्वारा ब्राहमण समाज के करीब 200 से 300 की संख्या में स्टेट हाइवे स्वर्ण जयन्ती चौक पर इकट्ठा होकर सड़क जाम किया गया जिसमें करीब 3 घण्टे तक सड़क दो दिनों तक जाम किया गया। उस सड़क जाम तथा धरना प्रदर्शन के कारण सैकड़ों गाडि़या तथा स्कूली बच्चे घण्टों परेशान रहे। जनप्रतिनिधि सदर विधायक एवं उनके कार्यकर्ताओं के द्वारा जानबूझकर ऐसा कृत्य किया गया जो कि गैर कानूनी कार्य है तथा ब्राहमण समाज के व्यक्तियों द्वारा आज भी दलित परिवार के घर धमकी इत्यादि दी जा रही है तथा उन्हें परेशान किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में उक्त अमितेष पाण्डेय, सुनिल पाण्डेय पुत्र स्व0 लोकनाथ देव पाण्डेय व उनके पड़ोसी पियुष त्रिपाठी व उनके समर्थन में सड़क जाम कर सड़क प्रभावित करने वालों के विरूद्ध भी मामला दर्ज कर कानूनी कार्यवाही किये जाने की मांग हमारी पार्टी एवं संगठन करता है। एकतरफा कानूनी कार्यवाही से दलित समाज में तथा जनता में काफी असन्तोष व आक्रोश है। प्रशासन द्वारा दूसरे पक्ष के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही नही किया गया तब हमारी पार्टी व संगठन तथा अन्य संगठन भी धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

सूबे के मुख्यमंत्री ने विंध्याचल मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ की समीक्षा बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। विंध्याचल मंडल जनप्रतिनिधियों के साथ सोमवार को सुबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर समीक्षा बैठक की। इस दौरान लोकसभा चुनाव में मिली हार के कारणों पर चिंतन मंथन कर आगामी विधानसभा चुनाव जीतने का टीप्स बताया। लोकसभा चुनाव के हार का कारण जब मुख्यमंत्री ने पूछा तो सभी ने अपने- अपने विधानसभाओं में हारने का अलग-अलग कई कारण बताया। सबसे अहम बात जनप्रतिनिधियों ने यह भी बताया कि संगठन कार्यकर्ता इस बार शिथिल नजर आए। कार्यकर्ताओं

का कहना है कि हर जगह उनकी उपेक्षा के साथ सुनवाई नहीं होती। जबकि पार्टी कार्यकर्ता संगठन को मजबूत बनाने में हमेशा जुटे रहते हैं।मुख्यमंत्री ने किस विधानसभा में कितने मत भाजपा को मिले और प्रत्यासियों के हार का क्या अंतर रहा इसको एक एक कर पूंछा और हार पर गहनता से विचार किया। उन्होंने कहा कि पिछड़े और दलित मतदाता पार्टी से जो दूर हुए हैं, उनसे निरंतर संपर्क रखा जाए। उनकी समस्याएं निपटाने पर जोर दें और उन्हें दोबारा साथ लाएं। केंद्र व राज्य स्तर की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाकर लोगों को पार्टी से जोड़ें ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में पुनः प्रचंड बहुमत के साथ प्रदेश में भाजपा सरकार बने।

स्पोर्ट्स

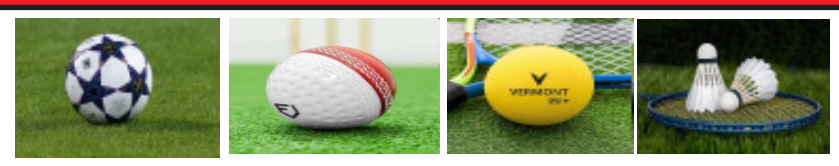

युवा महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़ को लेकर क्रिकेट कोच की हुई शिकायत

अभिषेक शर्मा को मुश्किल में याद आते हैं शुभमन, एक चीज मांगते हैं और बन जाता है बिगड़ा हुआ काम, जिम्बाब्वे में भी हुआ ऐसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय जिम्बाब्वे के दौरे पर है।

इस दौरे पर टीम इंडिया युवा सितारों के साथ गई है। टीम में कोई भी सीनियर खिलाड़ी नहीं है। पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में अभिषेक शर्मा ने डेब्यू किया था लेकिन फेल रहे थे। वह बिना खाता खोले आउट हो गए थे। लेकिन अगले ही मैच में अभिषेक ने तूफानी शतक जमा दिया। अभिषेक ने अब अपनी इस तूफानी पारी का राज खोला है। भारतीय टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 मैच में हार मिली थी। इस मैच में अभिषेक शर्मा ने डेब्यू किया था लेकिन खाता तक नहीं खोल पाए थे। दूसरे टी20 मैच में अभिषेक ने सारी कसर निकाल ली और तूफानी शतक ठोक डाला। अभिषेक ने 47 गेंदों पर शतक जमाया। इसके बाद अभिषेक ने अपने इस शतक के पीछे का कारण बताया। अभिषेक ने रविवार को खेले गए दूसरे टी20 मैच में 47 गेंदों पर सात चौके और आठ छक्कों की मदद से 100 रनों की पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर भारत ने 20 ओवरों में दो विकेट खोकर 234 रन बनाए थे। जिम्बाब्वे की टीम 134 रनों पर ढेर हो गई और टीम इंडिया ने ये मैच 100 रनों से जीत लिया। इस मैच के बाद अभिषेक ने बताया कि उन्होंने जो शतक बनाया वो गिल के बल्ले से बनाया। दोनों की दोस्ती काफी गहरी है। दोनों पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। दोनों को बनाने में भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह का अहम रोल रहा है। दोनों ने साथ में काफी क्रिकेट खेली है। अभिषेक ने मैच के बाद कहा, ठमैं आज मेरा आखिरी ऑप्शन होता है। मैं उसका बैट तब मांगता हूं जब मुझे लगता है कि कमबैक के लिए मुझे उसके बल्ले से खेलना पड़ेगा। अभिषेक को अपनी इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। उन्होंने अपनी पारी को लेकर कहा, ठमुझे लगता है कि मैंने अच्छा खेल दिखाया। हमें जो कल हार मिली थी उसके बाद हमारे लिए वापसी करना आसान नहीं था। मुझे लगा कि ये मेरा दिन था और मैंने इसका पूरा फायदा उठाया। मुझे लगता है कि टी20 लय हासिल करने वाला मैच है। मैं इसे आखिर तक ले गया। कोच और कप्तान को ने बहुत साथ दिया। मैंने हमेशा अपनी काबिलियत पर भरोसा किया है।

आईपीएल की तरह ही इस प्रारूप के मैचों के लिए होना चाहिए 'विशेष विंडो' पैट कमिंस ने दिया अहम सुझाव

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि टेस्ट मैचों के लिए एक विशेष विंडो की जरूरत है ताकि आईपीएल जैसी फ्रेंचाइजी आधारित लीग खेलने की इच्छा रखने वाले खिलाड़ी अपना

व्यक्तिगत कार्यक्रम तय कर सकें और उसके अनुसार तैयारी करें। ऑस्ट्रेलियाई टीम के वनडे और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने टेस्ट प्रारूप के बारे में अहम सुझाव दिया है। कमिंस का मानना है कि आईपीएल की तरह टेस्ट मैचों के लिए भी विशेष विंडो होना चाहिए। कमिंस ने बेबाकी से कहा कि कुछ देशों के लिए फ्रेंचाइजी क्रिकेट अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ज्यादा आकर्षक है। कमिंस ने टेस्ट और टी20 के बीच तैयारी को लेकर भी विचार रखे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अब हर साल अप्रैल और मई में एक विशेष विंडो होती है जिस दौरान बहुत ज्यादा टेस्ट मैच नहीं होते। 'सिडनी मार्निंग हेराल्ड' ने कमिंस के हवाले से कहा, ''कुछ देशों के लिए फ्रेंचाइजी क्रिकेट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अधिक आकर्षक है।'' उन्होंने कहा, ''अगर मैं जाकर फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलूं तो मैं शायद ऑस्ट्रेलिया के लिए जितना खेलता हूं, उसके आधे या एक तिहाई मैच में बाहर रहूंगा।'' कमिंस ने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट नवंबर से जनवरी तक खेला जाता है तो इस समय में हमारे बीच कोई अन्य क्रिकेट नहीं आएगा। अगर हम आईपीएल के लिए विशेष विंडो बना सकते हैं तो टेस्ट के लिए भी विंडो हो सकती है। इससे खिलाड़ियों के लिए निणय्र करना बहुत सरल हो जाएगा।

करो या मरो' के मैच में वर्षा ने डाली बाधा, दूसरा टी 20 मैच रद्द दक्षिण अफ्रीका सीरीज में 1-0 से आगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के करो या मरो के मैच में वर्षा

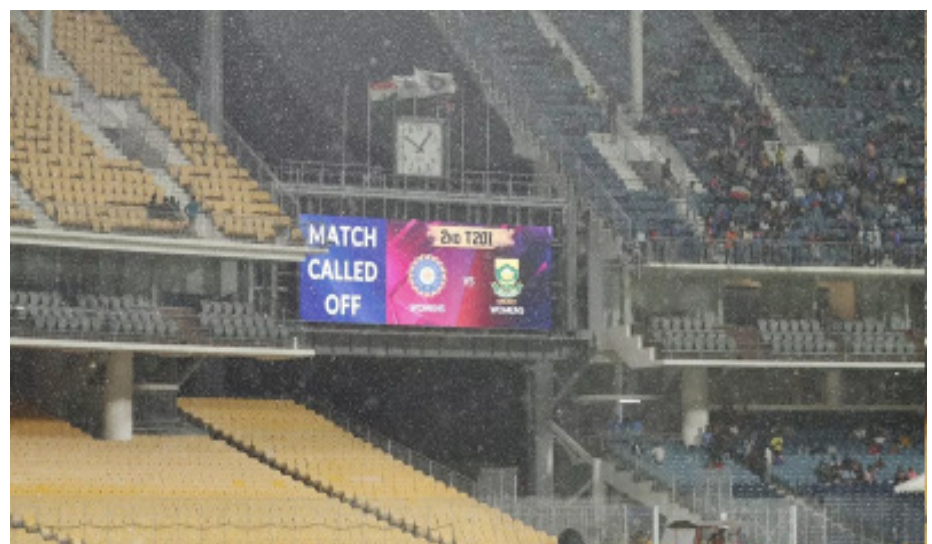

ने बाधा डाल दी। इससे पहले, शुक्रवार को पहले टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने भारत को 12 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली थी। तीन मैचों की सीरीज का अंतिम मैच मंगलवार को यहीं पर खेला जाएगा भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को दूसरा टी20 इंटरनेशनल मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला करो या मरो की स्थिति का था। भारत को दक्षिण अफ्रीका के हाथों पहले मैच में 12 रन की शिकस?त सहनी पड़ी थी। चेन?नई में दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में दक्षिण अफ्रीका की पारी के बाद बारिश हुई और दोबारा मैच शुरू नहीं हो सका। मैच के रद्द होने से पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम ने एक बार फिर भारतीय टीम के खराब क्षेत्ररक्षण के कारण दूसरे टी-20 मैच की पहली पारी में 177 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया था। तेजमिन ब्रिट्स के लगातार दूसरे अर्धशतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद भारत के विरुद्ध रविवार को यहां छह विकेट पर 177 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किय ब्रिट्स ने शुरू में मिले जीवनदान का लाभ उठाकर 39 गेंद पर 52 रन बनाए जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल है। उनके अलावा अनन्का बोश ने 32 गेंद पर छह चौकों की मदद से 40 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा (20 रन देकर दो विकेट) और पूजा वस्त्राकर (37 रन देकर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रही ऑफ स्पिनर सजीवन सजना ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका की जीत की नायिका रही ब्रिट्स को टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला मैच खेल रहीं उमा छेत्री के हाथों स्टंप आउट करा दिया था, लेकिन भारतीय विकेटकीपर ने गेंद को स्टंप के आगे से पकड़ा था, जिससे यह नो बाल हो गई और दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज को जीवनदान मिल गया पूजा ने कप्तान वोलवार्ट को आउट करके उनके आक्रामक तेवरों पर विराम लगाया। भारतीय स्पिनरों ने इसके बाद लगाम कसी और दक्षिण अफ्रीका को अगले नौ ओवर में 55 रन ही बनाने दिए। दीप्ति ने मारिजान कैप (20) को लंबी पारी नहीं खेलने दी। ब्रिट्स ने 36 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके तुरंत बाद वह पवेलियन लौट गई। उमा ने दीप्ति की गेंद पर इस बार उन्हें स्टंप आउट करने में कोई गलती नहीं की। दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम दो ओवर में 31 रन बटोरे।

हम अपनी इस गलती के कारण हारे सिकंदर रजा ने दूसरे टी20 में मिली शिकस्त के बाद किया बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जिंबाब्वे को रविवार को भारत के खिलाफ दूसरे टी20

इंटरनेशनल मैच में 100 रन की करारी शिकस्त सहनी पड़ी। हरारे में खेले गए मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट खोकर 234 रन बनाए। जवाब में जिंबाब्वे की टीम 18.4 ओवर में 134 रन पर ढेर हो गई। याद दिला दें कि जिंबाब्वे ने पहला टी20 इंटरनेशनल मैच 13 रन से जीता था। इस शिकस्त के साथ ही जिंबाब्वे और भारत सीरीज में 1-1 की बराबरी पर पहुंच गए हैं। दोनों टीमों के बीच सीरीज का तीसरा टी20 इंटरनेशनल मैच बुधवार को खेला जाएगा। बहरहाल, दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में मिली करारी शिकस्त के बाद जिंबाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने अपनी टीम की बड़ी गलती का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि फील्डर्स और बल्लेबाजों के कारण मैच हारे। मेजबान टीम के कप्तान सिकंदर रजा ने मैच के बाद तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी की जमकर तारीफ की। रजा ने कहा, ''ब्लेसिंग की गेंद स्विंग हो रही थी और उछाल प्राप्त कर रही थी। वो विकेट लेने के लिए काफी भूखा है। जब तक वो फिट रहेंगे, तो बेहतर गेंदबाजी करेंगे। हम कुछ समय से अपनी बल्लेबाजी के बारे में बात कर रहे हैं। इसे ठीक करना तब संभव है, जब कोई पैटर्न हो। हमने आक्रमण करने की कोशिश की थी, लेकिन गैरअनुभवी होने के कारण कई दिक्कतें हुईं।''जिंबाब्वे को अब सीरीज में दमदार वापसी की उम्मीद है।

सौरव गांगुली के करियर के वो 3 साल जब दिखी दादा की धाक, थर-थर कांपे गेंदबाज, फिर तो गजब हो गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कप्तानों में से एक सौरव गांगुली का आज जन्मदिन

है। गांगुली को भारत के उन कप्तानों में गिना जाता है जिसने टीम इंडिया की तकदीर बदल दी। वो कप्तान जिसने भारत को जीतना सिखाया और विदेशी जमीन पर धाक जमाई। गांगुली ने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे। लेकिन कभी हार नहीं मानी और जमकर रन बनाए। लेकिन गांगुली का करियर असल मायनों में परवान चढ़ा साल 1996 और इसके बाद 4 साल में जो हुआ वो गांगुली के करियर में काफी अहम रहे।भारतीय क्रिकेट टीम आज जहां भी पहुंची है उसका काफी हद तक श्रेय पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को दिया जाता है। उन्हीं गांगुली का आज जन्मदिन है। गांगुली ने अपने करियर में कई शानदार पारियां खेली लेकिन उनके करिय में तीन साल ऐसे रहे जिसने दादा के नाम से मशहूर गांगुली को विश्व क्रिकेट में स्थापित कर दिया और उन्हें टीम इंडिया का अगला कप्तान बना दिया। गांगुली ने 26 मई 1996 से लेकर एक जनवरी 1996 तक इन चार सालों में जमकर बनाए। वनडें में तो उनकी तूती जमकर बोली। इन चार सालों में गांगुली वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर रहे। उनसे पहले अगर कोई था तो वो थे सचिन तेंदुलकर। इसी का नतीजा था कि वह टीम इंडिया के अगले कप्तान बने। अगस्त 1997 से जुलाई 2001 तक गांगुली के आंकड़े देखे जाएं तो इस बीच उन्होंने 6033 रन बनाए। एक अगस्त से लेकर एक जुलाई 1998 के बीच गांगुली ने कुल 41 मैच खेले और 1595 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से चार शतक और आठ अर्धशतक निकले। वहीं एक अगस्त 1998 से 31 जुलाई 1999 के बीच गांगुली के बल्ले से 51 मैचों में 2580 रन निकले। इस साल गांगुली ने छह शतक और 17 अर्धशतक जमाए। वहीं एक अगस्त 1999 से लेकर 31 जुलाई 2000 के बीच गांगुली के बल्ले से 1858 रन निकले। इस दौरान खेले गए 38 मैचों में से गांगुली ने सात शतक और आठ अर्धशतक जमाए इसी प्रदर्शन के दम पर गांगुली को टीम इंडिया का अगला कप्तान चुना गया था। इसके बाद वो दौर शुरू हुआ जिसने भारतीय क्रिकेट की तस्वीर बदल दी। भारत आज जहां भी है उसका श्रेय गांगुली की कप्तानी को हमेशा दिया जाएगा। लेकिन गांगुली के करियर में एक टीस रह गई। वह भारत के लिए वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए। बतौर कप्तान गांगुली टीम इंडिया को साल 2003 के फाइनल में लेकर गए थे लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हरा दिया था।

जेम्स एंडरसन में क्या खूबी है, जो उन्हें सबसे अलग बनाती है इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर ने कर दिया बड़ा खुलासा

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने लंबे समय तक अपने साथी रहे जेम्स एंडरसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें

गेंदबाजी की लत है। एंडरसन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच 10 जुलाई से लाड्र्स में होने वाले पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। उन्होंने अब तक 187 टेस्ट मैच में 700 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपना आखिरी टेस्ट खेलने की तैयारियों में जुटे जेम्स एंडरसन की जमकर तारीफ की है। जेम्स एंडरसन वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। ब्रॉड ने एंडरसन की खूबी गिनाते हुए कहा कि 42 साल के तेज गेंदबाज को गेंदबाजी की लत है। जानें ब्रॉड ने एंडरसन के बारे में क्या-क्या कहा। ब्रॉड ने द टाइम्स में अपने कालम में लिखा, ''उन्हें गेंदबाजी करने की लय, अपने एक्शन की तकनीक पर नियंत्रण रखना पसंद है फिर चाहे वह स्विंग, इनस्विंग, सीम किसी तरह की गेंदबाजी कर रहे हों।''ब्रॉड ने साथ ही कहा, ''जब आप लंबे समय तक खेलने वाले पेशेवर खिलाड़ी?यों की बात करते हैं तो उनकी अनुशासित दिनचर्या और समर्पण की बात करते हैं। निश्चित तौर पर अगर आप इस तरह का जीवन नहीं जीते हैं तो 42 साल तक नहीं खेल सकते है।''पूर्व इंग्लिश तेज गेंदबाज के मुताबिक, ''लेकिन एक चीज जो एंडरसन को सबसे अलग बनाती है ।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

युवा महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़ को लेकर क्रिकेट कोच की हुई शिकायत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

तिरुवनंतपुरम। केरल राज्य मानवाधिकार आयोग ने खुद ही संज्ञान लेकर रविवार को केरल क्रिकेट संघ (केसीए) के एक पूर्व कोच के विरुद्ध युवा महिला खिलाड़ि?यों के साथ कथित छेड़छाड़ की घटना में मामला दर्ज किया। केरल क्रिकेट संघ के एक पूर्व कोच के खिलाफ युवा महिला खिलाड़ि?यों के साथ कथित छेड़छाड़ की घटना का मामला दर्ज किया गया। केरल राज?य मानवाधिकार आयोग ने खुद इस पर संज्ञान लिया। आयोग ने लड़कियों द्वारा लगाए गए आरोपों और ऐसी घटनाओं को लेकर केसीए को नोटिस भेज कर स्पष्टीकरण मांगा है। आरोपी कोच को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आयोग ने लड़कियों द्वारा लगाए गए आरोपों और ऐसी घटनाओं को लेकर केसीए को नोटिस भेज कर स्पष्टीकरण मांगा है। आधिकारिक बयान के अनुसार पैनल ने मीडिया रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में खुद ही संज्ञान लिया और आरोपी कोच के विरुद्ध मामला दर्ज किया। आरोपी मनु पिछले 10 वर्षों से केसीए में कोच था। बयान ने कहा गया है कि उन्हें पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पास्को) अधिनियम के तहत रिमांड पर लिया गया है।

सम्पादकीय

गूगल सब जानता है अगर आप आंख बंद कर इसकी बात मानने की सोच रहे हैं, तो आप संकट में हैं

गूगल का जेनरेटिव एआई मॉडल सेहत के लिए रोज एक छोटी चट्टान खाने का सुझाव देता है, क्योंकि यह खनिजों से भरपूर होती है। कहीं आप भी ऐसा करने तो नहीं चले गूगल सब जानता है। आप उससे पूछें कि केलों को लंबे समय तक ताजा कैसे रख सकते हैं, तो वह आपको जवाब देगा कि ठंडी जगह पर रखकर और सेब जैसे दूसरे फलों से दूर रखकर। लेकिन अपने प्रतिद्वंद्वी चैट जीपीटी की जेनरेटिव एआई तकनीक का एक व्यंग्यात्मक लेख है 'द ओनियन', जिसे करोड़ों बार पढ़ा गया है। गूगल एआई इस लेख के आधार पर चट्टान खाने की सलाह देता है। क्या प्रामाणिक तथ्य है और क्या व्यंग्य, यह गूगल एआई नहीं समझता। दरअसल, जेनरेटिव एआई टूल के मूल्य हमारे मूल्यों से अलग हैं। वह सिर्फ इंटरनेट से प्रशिक्षित है, और अगर यही मनुष्य की खोजों का भविष्य है, तो हमारी भविष्य की यात्रा मुश्किल होना तय है। गूगल,

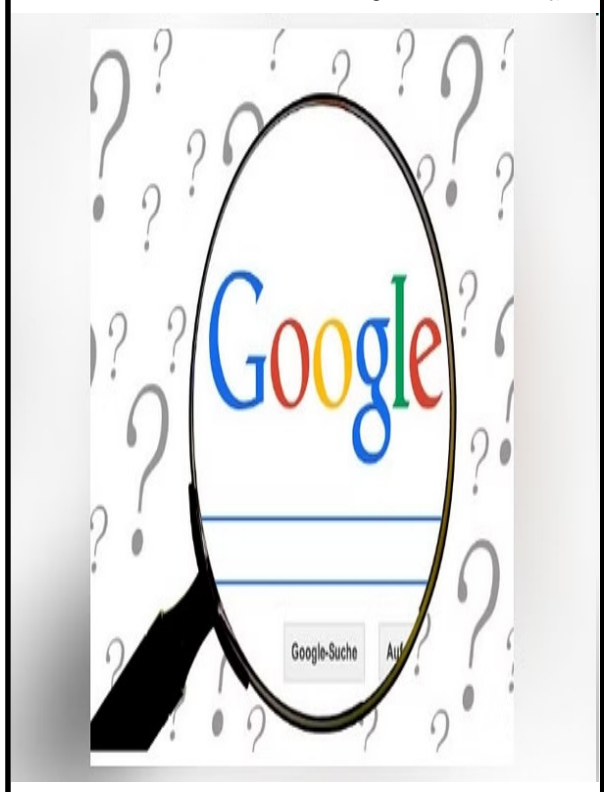

उपयोग जब गूगल करता है, तो उसके नतीजे ऐसे हैं, जिनमें गूगल संघर्ष करता दिखता है। यह बताता है कि अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्री बिल्लियों से मिले और उनकी देखभाल की। इतना ही नहीं, गूगल यह सुझाव भी देता है कि हर व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए रोज एक छोटी चट्टान खानी चाहिए, क्योंकि ये चट्टानें खनिजों और विटामिन का स्रोत होती हैं। यह पिज्जा पर गोंद डालने का सुझाव भी देता है। जाहिर है कि अगर आप आंख बंद कर गूगल की बात मानने की सोच रहे हैं, तो आप संकट में हैं। जेनरेटिव एआई टूल के साथ बुनियादी समस्या है कि वह सत्य को नहीं जानता। आपके सवालों के जवाब वह इंटरनेट की दुनिया में बिखरी जानकारियों में खंगालता है। आप कहेंगे कि इंटरनेट पर चट्टानें खाने के बारे में लेख तो नहीं मिलते। दरअसल चट्टानें खाने के बारे में ओपन एआई और माइक्रोसॉफ्ट से प्रतिस्पर्धा जरूर कर रहा है, लेकिन जैसा इसके सीईओ सुंदर पिचाई ने पिछले वर्ष कहा था कि इसे सावधान रहने की जरूरत है। गूगल का प्रबंधन जानता है कि सवालों के सही उत्तर न मिलने पर इससे लोगों का विश्वास उठ जाएगा। लेकिन अरबों डॉलर के व्यवसाय मॉडल में गूगल यह जोखिम उठा रहा है। ये चिंताएं यों ही नहीं हैं। वैश्विक स्तर पर प्रतिदिन 40 से 60 करोड़ डॉलर का निवेश एआई पर किया जा रहा है। इतने बड़े निवेश को देखकर अब सरकारें भी सजग हो रही हैं कि एआई का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करने के लिए विनियमन की जरूरत हो सकती है। कई एआई स्टार्ट-अप एआई निर्मित कृत्रिम डाटा के लाभों का प्रचार कर रहे हैं, लेकिन वर्तमान एआई मॉडल में पूर्वाग्रह और गलतियां बढ़ने का भी जोखिम है।

बाजार तो ऐसे ही चलता है, इसलिए जरूरी है दीर्घकालीन दृष्टिकोण

निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण यह है कि वे बाजार के दीर्घकालीन दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर निवेश करना जारी रखें। अल्पावधि में उतार-चढ़ाव तो होंगे, लेकिन ये सभी निवेश का हिस्सा हैं। शेयर बाजार न केवल चार जून की गिरावट से उबर गया है, बल्कि यह तीन जून के उच्चतम स्तर को भी पार कर गया है।शेयर बाजारों में निवेश करना कमजोर दिलवालों का काम नहीं है, खासकर तब, जब बाजार अस्थिर हो। जब बाजार एक ही दिन या छोटी अवधि में ऊपर-नीचे होता रहता है, तो इसका मतलब है कि बाजार अस्थिर है। जाहिर है, एक आम निवेशक इस अस्थिरता को चिंता का कारण मान सकता है, लेकिन ऐसा होना नहीं चाहिए, क्योंकि जिस तरह हमारे दिल की धड़कन ऊपर-नीचे होती रहती है, जो हमें जीवित रखती है, उसी तरह शेयर बाजार के सूचकांक शेयर बाजार को गतिमान रखने के लिए ऊपर-नीचे होते रहते हैं। इस अर्थ में, यदि बाजार का सूचकांक सपाट यानी स्थिर है, तो इसका मतलब है कि यह यानी बाजार मरा हुआ है, ठीक उसी तरह, जैसे दिल की धड़कन रुकने पर कोई व्यक्ति मर जाता है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के कई कारक होते हैं, जिनमें स्थानीय एवं वैश्विक समाचार से लेकर राजनीतिक नतीजे, व्यापार चक्र और डर इत्यादि शामिल रहते हैं। फिर भी कुछ ऐसी घटनाएं होती हैं, जिनके कारण शेयर बाजार चरम स्थिति में पहुंच जाता है। विगत चार जून को जब लोकसभा चुनाव के परिणाम आने शुरू हुए थे, तब जिस तरह की चरम स्थितियां देखी गई थीं, वैसी घटना हाल के समय में वर्ष 2021 में कोविड लॉकडाउन की घोषणा के समय देखी गई थी। उस दिन यानी चार जून को, एस ऐंड पी बीएसई सेंसेक्स में 4,000 से अधिक अंकों और लगभग छह फीसदी की भारी गिरावट देखी गई, जो अभूतपूर्व थी। ऐसा लग रहा था, मानो घरेलू और विदेशी, दोनों निवेशक भारतीय बाजारों से बाहर निकलना चाहते थे। चुनाव परिणाम के दिन भारतीय शेयर बाजार में आई गिरावट पर बात करने से पहले हमें विगत 19 मई की ओर लौटना चाहिए, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक टेलीविजन चैनल से बात करते हुए कहा था कि चार जून को शेयर बाजार रिकॉर्ड तोड़ देगा। ऐसा नहीं है कि सिर्फ उन्होंने ही ऐसा कहा था, बल्कि लोकसभा चुनाव के विभिनन चरणों के दौरान उनके मंत्रिमंडल के कई प्रमुख सदस्यों ने इस तरह की टिप्पणी की थी। सत्तारूढ़ पार्टी के इस आत्मविश्वास को निवेशकों ने बाजार में निवेश करने के संकेत के रूप में समझा। नतीजतन मई के अधिकांश दिनों में, चुनावों के अंतिम चरण तक बीएसई सेंसेक्स ज्यादातर दिनों में बढ़ता ही रहा। इसे इस बात का संकेत माना गया कि बाजार सरकार की वापसी और उसकी नीतियों की निरंतरता में यकीन रखती है। बाजार के लिए जनता के मूड से संकेत लेना और भी दिलचस्प हो गया, क्योंकि एक जून को आए एग्जिट पोल में भाजपा की स्पष्ट और बड़ी जीत की भविष्यवाणी की गई थी। स्वाभाविक रूप से तीन जून को जब बाजार खुले, तो बाजार में भारी खरीदारी देखी गई। एग्जिट पोल के नतीजों के बाद सेंसेक्स में 2,600 अंकों की बढ़ोतरी देखी गई। दरअसल, तीन जून को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 6,851 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने, जिनमें बैंक, बीमा कंपनियां, म्यूचुअल फंड और अन्य भारतीय संस्थान शामिल हैं, 1,914 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। हालांकि अगले ही दिन जब मतगणना शुरू हुई, तो चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं हुईं, खासकर शुरुआती रुझानों में। सरकार गठन को लेकर निवेशकों की चिंता के कारण शेयर बाजार के सेंसेक्स में दिन भर उतार-चढ़ाव देखा गया और यह 4,300 अंक से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी निवेशकों ने करीब 1.5 अरब डॉलर के भारतीय शेयर बेचे, जबकि घरेलू निवेशकों ने भी 3,300 करोड़ रुपये से अधिक की बिकवाली की। बहुत से ऐसे सट्टेबाज थे, जिन्होंने सिर्फ ट्रेंड्स और सुनी गई खबरों के आधार पर ही बाजार में अपना पैसा लगाया था। यह भी संभव है कि इनमें कुछ नए निवेशक भी हों, जो बाजार के जोखिमों को नहीं समझते हों और सिर्फ अटकलों पर ही भरोसा करते हों। उन्होंने भी पैसे गंवाए, क्योंकि उन्होंने बाजार में गिरावट शुरू होते ही डर के मारे अपने पैसे निकाल लिए। अब एक ही दिन में 30 लाख करोड़ रुपये के नुकसान का आंकड़ा बताया जा रहा है। यह जरूरी नहीं कि इनमें से सारा पैसा निवेशकों का ही हो, क्योंकि नुकसान उठाने वालों में कई व्यापारी भी थे, जो बाजार के खिलाफ दांव लगाकर पैसे बनाने के लिए जाने जाते हैं। अन्य चर्चाओं के विपरीत, शेयर बाजार हर दिन को अलग-अलग तरह से देखता है, लेकिन यह भविष्य की संभावनाओं पर भी निगाहें रखता है। इसलिए बाजार की चाल से अवगत होने के कुछ ही दिनों के भीतर सेंसेक्स न केवल चार जून की गिरावट से उबर गया है, बल्कि यह तीन जून के उच्चतम स्तर को भी पार कर गया है। असल में इसने 10 जून को एक नई ऊंचाई को छुआ और उम्मीद है कि भविष्य में यह और आगे जाएगा। निवेशकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे बाजार के दीर्घकालीन दृष्टिकोण को ध्यान में रखें और बाजार में निवेश करना जारी रखें। शेयर बाजार में अल्पावधि में उतार-चढ़ाव तो होंगे, लेकिन ये सभी निवेश का हिस्सा हैं। एक निवेशक के तौर पर आपको इस बात का पता होना चाहिए कि अल्पावधि में बाजार कैसे काम करता है और दीर्घकाल में यह निवेशकों को कैसे फायदा पहुंचाता है। जिस तरह से गर्मी से बचने की तैयारी के लिए बाहर के तापमान के बारे में जानकारी होनी चाहिए, उसी तरह से निवेश करने वाले व्यक्ति या संस्थाओं के लिए बाजार की चाल से अवगत होना जरूरी है। आपको उन कारकों के बारे में पता होना चाहिए, जो शेयर बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही ऐसे निवेशों पर अपना भरोसा बनाए रखकर दांव लगाना चाहिए, जो अस्थायी उतार-चढ़ाव के बावजूद बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

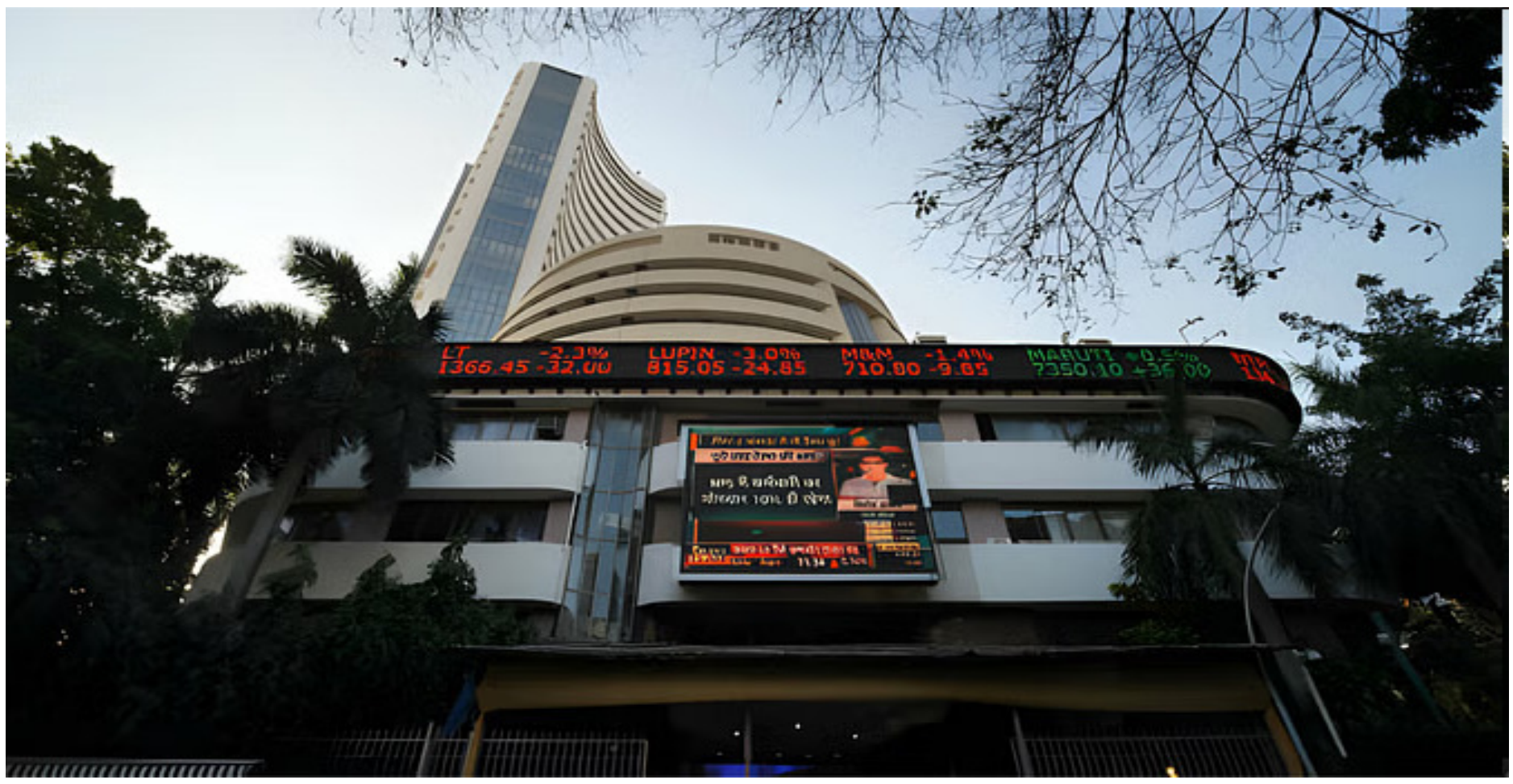

अमेरिका में कट्टरपंथियों का ठिकाना, फिर भी नहीं वहां के आदर्शों की परवाह

अमेरिका बांग्लादेशियों को आकर्षित करता है, तो इसकी वजह वहां नौकरी करने, व्यापार करने, स्वतंत्रता से चलने-फिरने, अपने धर्म का पालन करने और बच्चों को स्कूलों में मुफ्त में पढ़ाने की सुविधा है। इसके बावजूद अमेरिका में रहने वाले ये लोग अमेरिकी आदर्शों को थोड़ा भी नहीं मानते।कुछ दिनों पहले न्यूयॉर्क में सुचित्रा सेन चलचित्र उत्सव का आयोजन हुआ। इसका आयोजन न्यूयॉर्क में रह रहे अनिवासी बांग्लादेशियों ने किया था। इससे कुछ ही दिनों पहले न्यूयॉर्क में बांग्ला पुस्तक मेला और साहित्य अनुष्ठान आयोजित हुए थे। इनके आयोजक भी अनिवासी बांग्लादेशी थे। इससे ऐसा लगता है कि अमेरिका में रहने वाले सभी बंगाली शायद प्रगतिशील हैं, सभी शायद साहित्य या संस्कृति प्रेमी हैं। क्या सच में ऐसा है?बेशक ढाका और न्यूयॉर्क में बहुत अंतर है। अमेरिका और बांग्लादेश में जो अंतर है, ढाका और न्यूयॉर्क में वही अंतर है। अमेरिका चूंकि बांग्लादेश की तुलना में अत्यधिक विकसित और सभ्य देश है, इस कारण बड़ी संख्या में बांग्लादेशी अमेरिका की स्थायी नागरिकता पाने के लिए अमेरिका जाते हैं। कट्टर मुस्लिम भी, जो हमेशा धर्म के नशे में चूर रहते हैं, ईसाइयों-यहूदियों से घृणा करते हैं, उन्हें गाली देते हैं, मौका मिलने पर वे भी अमेरिका जाने का जुगाड़ बिठाते हैं। वे अगर चाहें, तो आराम से अरब देशों में बस सकते हैं, पर वे ऐसा नहीं करते। बांग्लादेशियों को भी अमेरिका बहुत आकर्षित करता है। अमेरिका की नागरिकता मिलने पर उनका जीवन धन्य हो जाए। स्थायी निवास के लिए उन्हें ईसाइयों, यहूदियों और नास्तिकों का देश अमेरिका ही पसंद है। बहुत लोग तो जोखिम उठाकर भी पश्चिमी देशों में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। रात के अंधेरे में नाव से भूमध्यसागर पार कर यूरोप पहुंचते हैं। नाव के डूब जाने से बहुतों की जान भी जाती है। इसके बावजूद नाव से समुद्र पार करने की जोखिम भरी कोशिशों पर विराम नहीं लगता। अरब देश में हज करने जाने, अरब देशों की पोशाक पहनने, अरब देशों की भाषा और आचार-व्यवहार का अनुसरण करने और अरब लोगों को महामानव समझने के बावजूद बांग्लादेश के लोग अरब देशों में बसने की उत्सुकता नहीं दिखाते। इसके बजाय अरब देशों में श्रमिक का काम करने गए लोग जितनी जल्दी संभव हो सके, घर लौट आने के बारे में सोचते हैं। और अरब देशों में लोगों के घरों में काम करने वाली बांग्लादेशी महिलाएं अपनी जान बचाने के लिए घर लौट आती हैं, या फिर लाश बनकर लौटती हैं। अमेरिका बांग्लादेशियों को आकर्षित करता है, तो उसकी वजह है। अमेरिका में नौकरी करने, व्यापार करने, स्वतंत्रता से चलने-फिरने, अपने धर्म का पालन करने, बच्चों को स्कूलों में मुफ्त में पढ़ाने की सुविधा है। वहां रुपये-पैसे न रहने पर फूड पैकेट मिलता है, मुफ्त में इलाज, दवा, आया आदि की सुविधा है। सर्वोपरि, अमेरिका में मानवाधिकार पर बहुत अधिक जोर दिया जाता है, जबकि बांग्लादेश में मानवाधिकार की किसी को परवाह ही नहीं है। इसके बावजूद अमेरिका में रहने वाले ये लोग अमेरिकी आदर्शों को थोड़ा भी नहीं मानते। अमेरिका इन्हें उदार नहीं बना पाता। अमेरिका में रहते हुए भी ये बांग्लादेशी बने रहते हैं। भोजन की खोज इन्हें हलाल मीट की दुकान पर ले जाती है। अमेरिका में आने के बावजूद ये बांग्लादेश का पहनावा नहीं छोड़ते। महिलाएं बुर्का और नकाब नहीं छोड़तीं। अमेरिका में रहते हुए भी ये धार्मिक कट्टरता को बरकरार रखते हैं। ये मानते हैं कि उनका धर्म दुनिया में सबसे श्रेष्ठ धर्म है। वहां रहकर भी ये लोग मानते हैं कि ट्विन टावर्स को ध्वस्त कर देने वाले आतंकवादियों ने बहुत बड़ा काम किया था। इनमें से कुछ तो यह सपना तक देखते हैं कि पश्चिम के तमाम देश मुस्लिमों से भर गए हैं और यह पृथ्वी सिर्फ मुस्लिमों के लिए है। बांग्लादेशियों की नई पीढ़ी में अमेरिका जाने की इच्छा प्रबल है। यही नहीं, ये लोग अपने देश से बाहर यह बताने में भी कतराते हैं कि उनके माता-पिता बांग्लादेशी हैं। दूसरी ओर, अपने घर में कट्टरवादियों द्वारा लगातार ब्रेनवॉश किए जाने के कारण कुछ लोग अपने धर्म को श्रेष्ठ समझने लगते हैं। इस तरह के भटके हुए लोग दूसरे देशों के मुस्लिमों को अपना समझने की गलती कर डालते हैं। हालांकि दूसरी तरफ यह भी सच है कि अमेरिका में पैदा हुई पीढ़ी के अनेक बच्चे बांग्ला में बातचीत करते हैं, बांग्ला गीत गाते हैं। हालांकि यह इस पर निर्भर करता है कि इन बच्चों के माता-पिता घर में बांग्ला संस्कृति को कितना प्रोत्साहित करते हैं। अनिवासी बांग्लादेशियों ने अमेरिका के विभिनन शहरों में छोटे-छोटे बांग्लादेश बना लिए हैं। पश्चिम उनके जीवन-यापन और सोच-विचार में किसी प्रकार का बदलाव नहीं ला पाया है। अमेरिका में रह रहे बांग्लादेशी अब भी जात-पांत, अंधविश्वास और कठोर पुरुषतंत्री सोच में जकड़ा हुआ है। इनके अपने देश में नारी विरोध का जो इतिहास है, उसे ये बांग्लादेशी बंगाल की खाड़ी के किनारे से अटलांटिक और प्रशांत महासागर के किनारे तक ढोकर ले आए हैं। अनिवासी नागरिक शायद ऐसे ही होते हैं। जिस मिट्टी से वे आते हैं, आजीवन उसी मिट्टी से जुड़े रहते हैं। विदेशी संस्कृति से वे वस्तुतः उतना ही ग्रहण करते हैं, जितना उनके रोजगार के लिए जरूरी होता है। लेकिन सोच-विचार की दरिद्रता से मुक्ति पाने के लिए जिस दर्शन की जरूरत होती है, उसे वे कभी जान-सीख-अपना नहीं सकते। वे आजीवन सिर्फ उसी पर चर्चा करते हैं, जो अपने देश से सीखकर आए होते हैं। मैं यह नहीं कह रही कि न्यूयॉर्क में बांग्ला साहित्य और संस्कृति के कर्णधारों ने सिर्फ मुझे ही प्रतिबंधित किया। हो सकता है, और भी लेखकों-कवियों-संस्कृतिकर्मियों को उन्होंने प्रतिबंधित किया हो, और भविष्य में भी करते रहेंगे। और वहां आमंत्रित कवियों-लेखकों ने न तो इस प्रतिबंध के विरोध में कुछ कहा, न भविष्य में कुछ कहेंगे। धारा के विरुद्ध चलने वाले या अलग विचार रखने वालों की उपेक्षा करते हुए बांग्ला पुस्तक मेला इसी तरह सालोंसाल आयोजित होते रहेंगे। इसी कारण मैं कहती हूं कि बांग्लादेश और अमेरिका में भले ही फर्क हो, लेकिन इन जगहों में रहने वाले बांग्लादेशियों में आपको कोई अंतर नहीं दिखेगा। जिस तरह ढाका में होने वाले पुस्तक मेले में मेरा प्रवेश प्रतिबंधित है, ठीक उसी तरह न्यूयॉर्क में होने वाले पुस्तक मेले में भी मुझे प्रतिबंधित किया जाता है। सात समुद्र पार बस जाने के बावजूद संकुचित बंगाली संकुचित ही रह जाता है।

करियर के रास्ते और अवसरों की खोज

यहां एक विस्तृत नजर है कि आप जीवविज्ञान पृष्ठभूमि के साथ कक्षा 12 के बाद क्या कर सकते हैं... जीव विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करते हुए कक्षा 12 को पूरा करने से विविध और पुरस्कृत करियर के अवसरों की दुनिया खुल जाती है। चाहे आप स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान, पर्यावरण विज्ञान या जैव प्रौद्योगिकी की ओर झुकाव रखते हों, बायो ग्रुप विभिनन पेशेवर रास्तों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। यहां एक विस्तृत नजर है कि आप जीवविज्ञान पृष्ठभूमि के साथ कक्षा 12 के बाद क्या कर सकते हैं...यदि आपमें अनुसंधान के प्रति जुनून है और आप जीवन के वैज्ञानिक अध्ययन में गहराई से जाना चाहते हैं, तो विभिनन पाठ्यक्रम और कैरियर पथ आपका इंतजार कर रहे हैं:जैसे विश्वविद्यालय जीवविज्ञान पृष्ठभूमि वाले छात्रों के लिए कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं, जिनमें से प्रत्येक को उनके चुने हुए करियर में सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। चाहे आप स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान, पर्यावरण विज्ञान या जैव प्रौद्योगिकी की ओर झुकाव रखते हों, ऐसे विश्वविद्यालय आपके पेशेवर लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक शैक्षणिक आधार और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। सही कार्यक्रम चुनकर, आप अपने रुचि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए एक पुरस्कृत और प्रभावशाली करियर शुरू कर सकते हैं।

बॉलीवुड/टेली मसाला

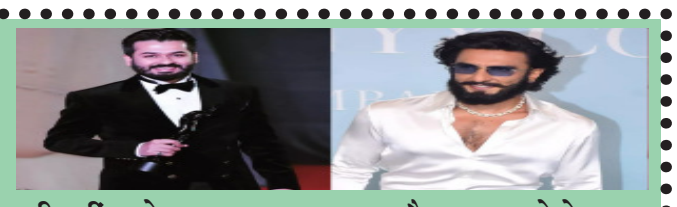

हनी सींह के हाथ लगा एक और बड़ा प्रोजेक्ट संजय दत्त और आर माधवन भी आएंगे नजर

हॉलीवुड जैसा नहीं होना चाहिए हमारा भविष्य', कल्कि 2898 एडी के डायरेक्टर ने 'मार्वल' को टक्कर देने की कही बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म कल्कि 2898 एडी वैश्विक स्तर पर कमाई के मामले में एक हजार करोड़ रुपये का आंकड़ा छूने के करीब है। फिल्म की सफलता से इसके लेखक और निर्देशक नाग अश्विन खासे उत्साहित हैं। अब नजरें इस फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर हैं, जिसे आने में वक्त लगेगा। इस बीच फिल्म को लेकर नाग अश्विन ने खास बातचीत की नाग अश्विन के डायरेक्शन में बनी कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए - नए रिकॉर्ड बनाती जा रही है। साउथ की ये फिल्म पूरी दुनिया में बवाल मचा रही है। रिलीज के महज 10 दिनों में कल्कि 2898 एडी ने 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ क्लब में एंट्री करने वाली है। स्मिता श्रीवास्तव, मुंबई। प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म कल्कि 2898 एडी वैश्विक स्तर पर कमाई के मामले में एक हजार करोड़ रुपये का आंकड़ा छूने के करीब है। फिल्म की सफलता से इसके लेखक और निर्देशक नाग अश्विन खासे उत्साहित हैं। अब नजरें इस फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर हैं, जिसे आने में वक्त लगेगा। इस बीच फिल्म को लेकर नाग अश्विन ने खास बातचीत की... समीक्षा से ज्यादा एक्स पर प्रतिक्रियाएं पढ़ी। निश्चित रूप से आलोचना में कहा गया है कि फिल्म कुछ जगह धीमी है, लेकिन उसी समीक्षा में अंत में फिल्म की तारीफ की गई है। थिएटर के बाहर आने पर कई लोग फिल्म का रिव्यू देते हैं, वो भी किसी कमी के

बारे में बात करने के बाद फिल्म की तारीफ भी कर रहे हैं। बुज्जी तो हमारी फिल्म का पांचवां किरदार रहा। पहले तो उसे लिखने की प्रक्रिया रही। उसके बाद चुनौती उसे बनाने की थी। बुज्जी का विशुद्ध रूप से इंजीनियरिंग का सफर रहा। ऐसा वाहन अभी तक बनाया नहीं गया है। तीन पहियों के इस वाहन का वजन करीब छह टन है। बुज्जी फिलहाल भारत भ्रमण पर है। जयपुर, चंडीगढ़, दिल्ली गया। सब जगह उसे बहुत प्यार मिल रहा है। छोटे बच्चों को उससे बहुत प्रेरणा मिल रही है। बुज्जी को बनाने का सबसे अहम आइडिया ही बच्चों को प्रेरित करना था। उसे बनाने के लिए ऑटोमोबाइल कंपनी की मदद भी ली, क्योंकि हम लोग इंजीनियर नहीं हैं। हम भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। जैसे हॉलीवुड साइंस फिक्शन और भविष्य आधारित फिल्मों के बारे में सोच रहा है, हमारा भविष्य वैसा नहीं होना चाहिए। हमारी साइंस फिक्शन भविष्य आधारित फिल्म में भारतीयता होनी चाहिए। तो उसे कैसे बनाना है उसके बारे में काफी सोचना पड़ा कि हमारी काशी नगरी कैसी रहेगी? उसके वाहन कैसे होंगे? हमारी फिल्म में एक ऑटो है लेकिन वह भविष्य का ऑटो है। वो सभी भारतीयों के साथ जुड़ता है तो वैसी सोच थी। पहले दिन की शूटिंग अमित सर (अमिताभ बच्चन) के साथ ही शुरू हुई। गुरु पूर्णिमा के दिन हमने शूट शुरू किया था तो बहुत खास शुरुआत थी। मुझे नहीं पता था कि कैसे बताऊं अमित सर को कैसे इस सीन में अभिनय करना है (मुस्कारते हुए), लेकिन अमित सर बहुत दरियादिल इंसान हैं। वह खुद से सुनना चाहते थे कि मैं पात्र के बारे में क्या बोलना चाहता हूं। निश्चित रूप से हमारी पीढ़ी और युवा पीढ़ी के लिए गर्व की बात होनी चाहिए कि यह हमारी फिल्म है, क्योंकि दस-पंद्रह साल से यह मार्वल स्टूडियो की फिल्में देख रहे हैं। पर वो सब कहानियां हालीवुड की हैं। हमारे पास पौराणिक कथाएं और इतिहास में ढेरों खूबसूरत कहानियां हैं, जब हम उन्हें सही तरीके से और उसी तकनीकी वैल्यू से बना सकते हैं तो निश्चित रूप से हमारी युवा पीढ़ी उसे पसंद करेगी। शायद यह प्रभास की किस्मत है या कुछ और वो जो भी कहानियां चुनते हैं वो इतनी बड़ी होती हैं कि उन्हें दो पार्ट में बनाना पड़ता है, लेकिन हां पहले कल्कि को एक ही पार्ट में बनाने की योजना थी, लेकिन कहानी इतनी बड़ी है कि दो पार्ट में बनाना पड़ा। प्रभास को हमने पहले एक-दो बार कहानी सुनाई उसके बाद वह फिल्म से पूरी तरह जुड़ गए थे। इस फिल्म में एस एस राजामौली सर और राम गोपाल वर्मा का कैमियो से ज्यादा ट्रिब्यूट है, क्योंकि एक तरह से दोनों ने भारतीय सिनेमा इंडस्ट्री को बदला। मैंने सलमान दुल्कर के साथ पहले काम किया हुआ था। अब लोग कह रहे हैं कि पैन इंडिया शब्द धीरे-धीरे मिट जाएगा। साउथ में शाह रुख खान की फिल्में लोग बहुत देखते हैं। नॉर्थ में रजनी सर की फिल्में देखते हैं। जब हम एक इंडस्ट्री होंगे तब हम हॉलीवुड या मार्वल फिल्मों को टक्कर दे सकते हैं। बेहतर होगा कि हम अपने सिनेमा को भारतीय सिनेमा बुलाएं।

शादी के बाद पति संग नए घर में शिफ्ट आरती सिंह वीडियो शेयर कर दिखाई झलक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस और 'बिग बॉस 13' की कंटेस्टेंट आरती सिंह ने इसी साल 25 अप्रैल को सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। अब रविवार को एक्ट्रेस ने अपना एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने अपने घर की एक पूरा घर फूलों से सजा नजर आ रहा है और कैप्शन में लिखा- शादी का महीना 13अप्रैल। मैंने सत्संग से शुरुआत की। उन्होंने हमारे नये

बिजनेसमैन दीपक चौहान से शादी की थी। शादी के बाद एक्ट्रेस लगातार सुखियों में है। आए दिन पति संग फोटोज और वीडियोज साझा करती रहती हैं। अब एक्ट्रेस ने एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने नए घर की एक झलक दिखाती नजर आ रही हैं। आरती सिंह पति दीपक चौहान के साथ हैप्पी मैरिड लाइफ को एन्जॉय कर रही हैं। वह लगातार अपनी मैरिड लाइफ की झलकियां झलक दिखाई हैं जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। आरती सिंह के इस वीडियो की शुरुआत उनसे होती हैं, जिसमें वह लाल साड़ी में सजधज कर अपने नए घर में दीए जलाती दिखाई दे रही हैं। पूरा घर फूलों से सजा नजर आ रहा है। इसके बाद वह अपने घर का आलीशान कौना यानी लिविंग एरिया को दिखाती है। जहां उन्होंने अपने गुरूजी की एक बड़ी सी तस्वीर रखी हुई है। अभिनेत्री का घर को आशीर्वाद दिया। जन्मदिन मुबारक हो मेरे पिता मेरे सब कुछ। मैं आपसे प्यार करती हूं धन्यवाद। जय गुरुजी। शुकराना गुरुजी।टीवी एक्ट्रेस आरती सिंह ने 39 साल की उम्र में शादी रचाई। अभिनेत्री ने मुंबई में परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में दीपक चौहान संग मंदिर में फेरे लिए थे। शादी के बाद ये कपल अपना हनीमून मनाने पेरिस पहुंचा था। जहां लाल साड़ी पहन अभिनेत्री ने एफिल टावर के सामने पोज दिए थे ।

जानम' तृप्ति डिमरी के साथ दिखा विक्की कौशल का इंटेंस रोमांस, फैंस बोले- 'अब कटरीना नहीं छोड़ेगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हॉरर कॉमेडी मूवी मुंज्या के क्रेज के बाद सिनेमाघरों में जल्द ही रोमांस-कॉमेडी ड्रामा बैड न्यूज साथ एक हॉट फोटो शेयर की है जिसे देख फैंस को कटरीना कैफ की याद आ गई। कुछ दिन पहले बैड न्यूज का गाना तौबा तौबा सॉन्ग इंटेंस रोमांस दिख रहा है। पानी में तृप्ति और विक्की एक-दूसरे के प्यार में पूरी तरह डूबे हुए हैं। इस दौरान अभिनेता शर्टलेस लुक में दिखाई का खौफ खाओ भाई।ठ एक और ने कहा, ठभाई बीवी मारती नहीं है?ठ एक यूजर ने कमेंट किया, ठमैं तो ना सहती कटरीना बहन।

दस्तक देने वाली है। इस फिल्म में विक्की कौशल एनिमल एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी और एमी विर्क के साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म की रिलीज को अभी समय है, लेकिन इसके गाने जारी होते ही धमाल मचा रहे हैं। हैंडसम हंक इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बैड न्यूज' को लेकर चर्चा में है। मूवी जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है जिसका गाना तौबा तौबा इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। अब विक्की ने अपनी को-स्टार तृप्ति डिमरी के रिलीज हुआ था। लोगों को गाने से ज्यादा विक्की कौशल का डांस पसंद आया था। उन्होंने एक-एक बीट पर ऐसे-ऐसे मूव्स किये, जो फैंस के दिलों पर छा गये। अब विक्की का नया गाना आने वाला है, जिसका हिंट उन्होंने थोड़ा अलग अंदाज में दिया है जिसे देख फैंस के भी होश उड़ गये हैं। विक्की कौशल ने 7 जुलाई को इंस्टाग्राम अकाउंट पर को-स्टार तृप्ति डिमरी के साथ एक हॉट फोटो शेयर की है। फोटो में विक्की और तृप्ति का दे रहे हैं, वहीं तृप्ति ने ब्लू बिकिनी पहनी थी। इस फोटो के साथ विक्की कौशल ने फिल्म बैड न्यूज के अगले गाने की रिलीज डेट अनाउंस की है। तौबा तौबा के बाद के जानम गाना आने वाला है, जो 9 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। फिलहाल, लोगों की नजर सिर्फ फोटो पर अटकी हुई हैं। यूजर्स ने उनकी केमिस्ट्री को पसंद किया है, साथ ही वे कटरीना कैफ का नाम लेकर विक्की की टांग खिंचाई कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, ठकटरीना एक और यूजर ने लिखा, भैया, कटरीना भाभी का कुछ ख्याल कर लो। एक और ने लिखा, कटरीना इस चीज से ओके कैसे है एक ने कहा, कटरीना सोच रही होगी कि तुम घर आओ बताती हूं। एक और ने कहा, अब तो गया बेटा विक्की भाई कटरीना नहीं छोड़ेगी अब भाई।तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म बैड न्यूज का निर्माण धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

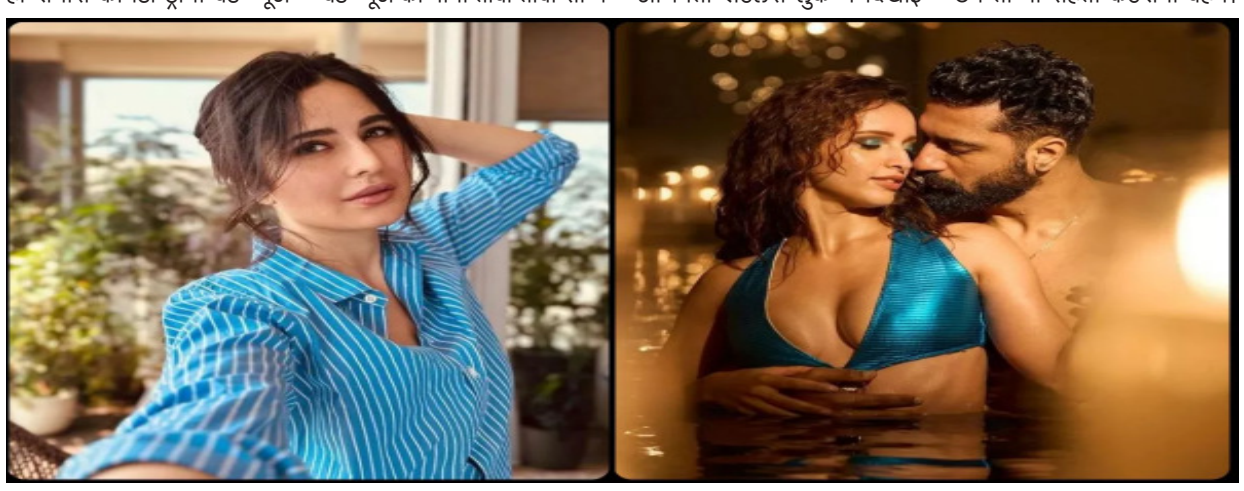

क्या आस्तीन का सांप है लव कटारिया अरमान-विशाल की लड़ाई के बाद इस बात पर आगबबूला हुए यूजर्स

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 3 जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे घरवालों के चेहरों से मुखौटे बड़ा झगड़ा हुआ। हालांकि इस पूरी घटना पर लव कटारिया यूजर्स के निशाने पर आए।धीरे-धीरे अब आगे बढ़ रहा है। ये गेम और भी इटेंस उनकी दोस्ती से दुश्मनी अच्छी बता रहे हैं। आखिर क्यों विशाल और अरमान की लड़ाई में लोगों ने घसीटा लवकेश का नाम चलिए जानते हैं।

उतर रहे हैं। दो हफ्ते तक एक-दूसरे के मुंह पर मीठा बनने वाले कई कंटेस्टेंट अब एक-दूसरे पर वार करते हुए नजर आ रहे हैं। धीरे-धीरे अब आगे बढ़ रहा है। ये गेम और भी इटेंस होता जा रहा है। जहां कई कंटेस्टेंट अब एक-दूसरे पर वार करने से पीछे नहीं हट रहे हैं तो वहीं बीते दिन अरमान मलिक और विशाल पांडे के बीच होता जा रहा है। जहां कई कंटेस्टेंट अब एक-दूसरे पर वार करने से पीछे नहीं हट रहे हैं तो वहीं बीते दिन अरमान मलिक और विशाल पांडे के बीच बड़ा झगड़ा हुआ। हालांकि इस पूरी घटना पर लव कटारिया यूजर्स के निशाने पर आए। इस बीच ही अब लव कटारिया सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोल हो रहे हैं और लोग लवकेश कटारिया और विशाल पांडे शुरुआत से ही बिग बॉस ओटीटी 3 के गेम में एक-दूसरे के साथ हैं। दोनों एक-दूसरे के झगड़े में सहयोग करने के लिए सामने भी आते हैं। हालांकि, इस बार सोशल मीडिया पर मौजूद लोगों को ये लग रहा है कि विशाल और अरमान के बीच गुस्से की चिंगारी भड़काने वाले कोई और नहीं, बल्कि लवकेश हैं। दरअसल जब पायल मलिक विशाल को इस बात पर खरी खोटी सुनाकर गईं, तो अरमान गुस्से से भर गए। जब अरमान ने लव कटारिया से ये पूछा कि अगर वह उनकी मां-बहन को कुछ कहते तो वह क्या करते, इसका जवाब देते हुए भ्दलूले ने कहा कि वह रैप्टा धर देते। इस बात को सुनते ही अरमान सीधा सिटिंग एरिया में गए और बातों ही बातों में उन्होंने विशाल जो खुद को डिफेंड कर रहे थे उनके गाल पर खींचकर तमाचा जड़ दिया। बिग बॉस ओटीटी 3 में हुए इस इंसिडेंट के बाद सोशल मीडिया पर मौजूद कई लोगों को लग रहा है कि इस लड़ाई को हवा देने वाला कोई और नहीं, बल्कि लव कटारिया ही है। कई यूजर्स तो उन्हें विशाल का साथ न देने के लिए भी ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ठहम आपको सपोर्ट कर रहे थे, लेकिन आपने ये जो हरकत की है, ये बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। उसकी साइड पर खड़े होने की बजाय आप बार-बार उसे गलत प्रूफ करने पर लगे थेठ। दूसरे यूजर ने लिखा, ठभाई आपने गलत किया विशाल के साथ, कोई भाईचारा नहीं है तुम्हाराठ। अन्य यूजर ने लिखा, ठलवकेश जैसा दोस्त भगवान किसी को न दे, अपने ही दोस्त को डिफेंड नहीं कर पाया, डरपोकठ।

अंजलि अरोड़ा ने विशाल को थप्पड़ मारने पर अरमान मलिक की लगाई क्लास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विवादित रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 में विशाल पांडे ने अरमान मलिक (र्ैह ईंत्व) की दूसरी पतनी कृतिका मलिक को लेकर एक कमेंट किया था, जिसकी वजह से 5 जुलाई के वीकेंड का वार में पायल मलिक ने आकर उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाई थी और अनिल कपूर ने भी क्लास लगाई थी। बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 में इन दिनों घमासान मचा हुआ है। शनिवार को वीकेंड का वार में पायल मलिक ने आकर विशाल पांडे के कृतिका मलिक को लेकर किये गये कमेंट का पर्दाफाश किया जिसके बाद अरमान मलिक भड़क गये और उन्होंने विशाल पांडे को चाटा मार दिया। अब का अरमान पर गुस्सा फूटा है। विशाल पांडे ने एक एपिसोड में लव कटारिया से कहा था कि भाभी (कृतिका) सुंदर हैं। इस बात को लेकर पायल ने उन्हें डांटा और

सबके सामने विशाल के इस बयान को खोल दिया। इस वजह से घर का माहौल खराब हो गया। अरमान मलिक से इन्फ्लुएंसर की बुरी तरह लड़ाई हुई। यहां तक कि यूट्यूबर ने उन्हें जोर का तमाचा भी जड़ दिया। अरमान मलिक के विशाल पांडे को थप्पड़ मारने की इस घटना का जहां कई फैंस सपोर्ट कर रहे हैं, वहीं कुछ इसकी आलोचना कर रहे हैं। कई टीवी सेलेब्स भी विशाल के सपोर्ट में आ गये हैं। कच्चा बादाम गर्ल अंजलि अरोड़ा ने विशाल का साथ देकर अरमान की जमकर क्लास लगाई है। लॉक अप सीजन 1 में नजर आ चुकीं अंजलि ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट कर अरमान को लताड़ा है। अंजलि ने लिखा, ठपाखंड की हद देख लो। जिस इंसान ने अपनी बीवी को धोखा दिया। सोसाइटी में बकायदा गलत मैसेज दे रहे हैं कि बहुविवाह ठीक है, हो जाता है। इतनी ही है तो विदेश जाकर बस जाओ। हमारे कल्चर में ये चीज होने सही है ऊपर से विशाल पांडे ने ऐसा क्या गलत बोल दिया अंजलि अरोड़ा ने विशाल पांडे के स्टेटमेंट को जस्टिफाई करते हुए कहा, भाभी अच्छी लगती है। इसमें गलत क्या है ना कोई गंदा कमेंट्स मारे ना कोई बद्तमीजी की। तुम्हारी तरह अरमान उसने 7 दिन में पटाकर शादी के लिए प्रपोज थोड़ीकर दिया और हिंसा का हम कभी सपोर्ट नहीं करेंगे।

हनी सींह के हाथ लगा एक और बड़ा प्रोजेक्ट संजय दत्त और आर माधवन भी आएंगे नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जाने-माने फिल्म डायरेक्टर आदित्य धर की फिल्म पुरस्कार जीता था । अब एक बार फिर डायरेक्टर पर्दे पर कमाल करने जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि के बाद भले ही टिकट खिड़की पर खूब धमाल मचाया हो, लेकिन इघ्ध्श्ईं फिल्म के निर्देशक आदित्य

उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक तो अपको याद ही होगी, जिसमें विक्की कौशल ने कमाल दिखाया था। आदित्य ने हिंदी सिनेमा में इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था। उरी निर्देशक और यामी गौतम के पति आदित्य धर इन दिनों अपनी नई फिल्म को लेकर काफी सुखियों में हैं । आदित्य उन डायरेक्टर्स में से जिन्होंने अपनी पहली फिल्म के लिए बेस्ट निर्देशक का राष्ट्रीय फिल्म उनकी फिल्म में रणवीर सिंह होंगे। इतना ही नहीं उन्होंने अपनी पहली ही फिल्म के लिए बेस्ट निर्देशक का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीता था। अब एक बार फिर डायरेक्टर पर्दे पर कमाल करने जा रहे हैं। एक बार फिर वह कुछ ऐसी ही कहानी लेकर फैंस के बीच लौट रहे हैं, जिसमें इस बार रणवीर सिंह नजर आएंगे। फिल्म उरी द सर्जिकल स्ट्राइक ने रिलीज होने घर अभी तक अपनी दूसरी फिल्म की शूटिंग नहीं शुरू कर पाए हैं। दरअसल, उरी की रिलीज के बाद ही उन्होंने अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म द इम्मोर्टल अश्वत्थामा की घोषणा की थी। हालांकि, पहले कोरोना महामारी और फिर वित्तीय समस्याओं के कारण यह फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई। अब खबर है कि अश्वत्थामा न सही, आदित्य एक बार फिर से एक बड़े बजट और मल्टीस्टारर फिल्म बनाने के लिए तैयार हैं। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार, आदित्य अब अभिनेता रणवीर सिंह के साथ फिल्म धुरंधर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खबर है कि इस फिल्म के लिए उन्होंने रणवीर के अलावा अभिनेता संजय दत्त और आर माधवन को भी तैयार कर लिया है। तीनों ने अभी तक यह फिल्म साइन तो नहीं की है, लेकिन आदित्य को रणवीर, संजय और आर माधवन तीनों की तरफ से सहमति मिल चुकी है। फिल्म में रणवीर अहम भूमिका में होंगे। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसमें नायक एक खतरनाक मिशन पर जाएगा। इसके अलावा खबर ये भी है कि आदित्य अपने भाई लोकेश धर और एक बड़े स्टूडियो के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस भी करेंगे। आदित्य फिल्म को भव्य स्तर पर शूट करने की योजनाएं तैयार करने के साथ इसके प्री प्रोडक्शन पर काम भी शुरू कर चुके हैं। यह फिल्म एक्शन और ड्रामा से भरपूर होगी।

DURGAWATI INTERNATIONAL SCHOOL
DURGAWATI GROUP INSTITUTIONS

DURGAWATI INTERNATIONAL

School & College Meja, Prayagraj

(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)

Good News Good News

THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!

HOSTEL FACILITY

* AC hostel facilities are available for. the boys from class 3rd onwards.
* Quality food
* Personal care
* 24/7 power backup
* Special tuition classes for hostelers
* Free health checkup per month.
* Infirmary faciliti is also available
* Well equipped laboratories and digital Library

पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट

Admissions OPEN

PG to IX, XI

(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)

SCHOOL FACILITIES

* Affordable fee & High-tech infrastructure.
* Spacious and colorful classrooms.
* Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
* Free personality development.
* English spoken classes for each student.
* RO water and CCTV facilities.
* Pick and drop facilities with full safety.
* Trained PE Teacher along with
* Spacious playground

Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)

Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

ग्रेनोवेस्ट की हाई राइज सोसाइटी में फायर ऑडिट के लिए नेफोमा ने सीएफओ से की मीटिंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। वेस्ट की हाई राइज सोसाइटी में फायर ऑडिट करने करवाने के लिए नेफोमा प्रतिनिधि मंडल ने गौतमबुद्ध नगर के सीएफओ प्रदीप कुमार से मीटिंग कर सोसाइटी के हालात से अवगत कराया नेफोमा ने अपने पत्र में लिखा है ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सैकड़ो हाई राइज सोसाइटी हैं ज्यादातर बिल्डरों ने अपने रसूख के चलते पैसे देकर कागजों में फर्जी फायर एनओसी ली हुई है जबकि धरातल पर बहुत सी सोसाइटी में फायर सेफ्टी नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है वहां पर फायर इक्विपमेंट लगे ही नहीं है पाइप अनकंप्लीट है फ्लोर पर सिलेंडर नहीं लगे हुए हैं, लाखों निवासियों की जान माल की सुरक्षा हेतु ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सोसाइटी में फायर ऑडिट करने की गुहार लगाई है। नेफोमा अध्यक्ष अनू खान ने बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सोसाइटी में आग लगने की समस्या निरंतर बढ़ती जा रही है पिछले महीने कई सोसाइटी में आग लगने की घटनाएं

हुई जिस सोसाइटी निवासियों में डर का माहौल पैदा हो गया इसलिए आज सीएफओ से मुलाकात करके समिति का ऑडिट करने की बात की गई है नेफोमा के मुख्य सलाहकार दीपक दुबे ने बताया की देविका गोल्ड होम्ज़ सोसाइटी में बिल्डर द्वारा रास्ते को अवरोध किया गया है अगर आग लग जाती है तो फायर की गाड़ी सोसाइटी में घूम ही नहीं पाएगी उन्होंने बिल्डर पर कार्रवाई करने के लिए कहा है सीएफओ प्रदीप कुमार ने नेफोमा सदस्यों को आश्वस्त करते हुए कहा कि हमने सोसाइटियों का सर्वेक्षण कराया है कई सोसाइटियों में खामियां पाई गई उनको नोटिस भी भेजा हुआ है कई सोसाइटियों का केस न्यायालय में चल रहा है सोसाइटी निवासियों के साथ मिलकर हम मॉक ड्रिल प्रोग्राम भी आगे करेंगे हमारी कोशिश है की सोसाइटी निवासियों की जान माल की रक्षा और आग लगने से किसी को क्षति न पहुंचे मीटिंग में नेफोमा अध्यक्ष अनू खान, उपाध्यक्ष अविनाश सिंह, कोषाध्यक्ष उमेश सिहं, मुख्य सलाहकार दीपक दुबे, सदस्य अमित जैन, दीपक अंगरिक्ष आदि मौजूद रहे ।

भव्य जगन्नाथ रथयात्रा निकाली गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। कलयुग के नाथ भगवान जगननथ की भव्य रथयात्रा सलारपुर जगननथ मंदिर से पूरे पुलिस प्रशासन के देख रेख में डी

जे और बैंड बाजे के साथ निकाली गई,यह यात्रा प्रत्येक वर्ष निकाली जाती है आयोजक समिति के श्री जितेन्द्र पाठक ने बताया कि ऐसा कहा जाता है कि भगवान जगननथ अपने भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ अपने ननिहाल एक हाप्ते के लिए जाते हैं,ऐसी मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु इस रथ की रस्सी खींचते है उनका सारा कष्ट दूर हो जाता है,रथयात्रा जगननथ मंदिर सलारपुर से निकलकर सेक्टर 101 मेट्रो होते हुए हनुमान मंदिर बरौला से होते हुए मैन दादरी रोड से सलारपुर पुलिस चौकी के पीछे मंदिर पर समाप्त हुई।इस यात्रा में मंदिर के अध्यक्ष अतानु दास,सचिव सूर्यप्रकाष नायक ,विश्वजीत सत्यपथी, जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष जितेंद्र पाठक, शंभू झा,सुमन जी, जयप्रकाश महापात्र,अतुल कुमार दास,मृत्युंजय सामंत राय,पवित्र मिश्र,,आसिंपति, सूर्यप्रकाश, विश्वरंजन,आलोक नायक, विश्वजीत, दीपक दास, प्रदीप महापात्र, सूर्य नारायण, पवित्र राऊत,ममतू, राम महंते, जयप्रकाश दास,सुब्रत दास अमियो सहनी,मानस नायक सहित सैकड़ों भक्त शामिल रहे।

देवरा सरपंच की तानाशाही रोड में मिट्टी डालकर आम रास्ता किया बंद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मैहर। देहात क्षेत्र ग्राम पंचायत देवरा की बात करते है सरकार बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का नारा लगा रही है और पंचायत के मुखिया द्वारा बच्चों की पढ़ाई के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है आम रास्ता रोका जा रहा है। क्या शासन प्रशासन के पास इस बात की खबर नहीं हर पंचायत में विकास हो रहा है। और यही एक पिछड़ा पंचायत देवरा में विकास के नाम पर विनाश कर रहा गांव का मुखिया बरसात का सीजन है स्कूल खुले है अमिलिया पंचायत सहित तीन मोहल्ले के बच्चे आज स्कूल नहीं जा पाए पैदल निकलना दुश्वार करके रख दिया लोगों के मना करने पर मर्म की जगह मिटटी डलवा के आज आम रास्ता नष्ट कर दिया स्क्रीन स्पर्श जांच कर कार्यवाही करना चाहिए अब कब तक होती है कार्यवाही कब तक रोड की मरम्मत होती है। शासन और प्रशासन कार्यवाही करें।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स
एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज
उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं
आधुनिक समाचार
पब्लिसिंग हाउस सी 41
यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज
211010 (उ.प्र.)
से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।